RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 229 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, सोमवार 6 जून 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

बेटी से मिलने के लिए महिला नक्सली ने किया सरेंडर, बोलीं- खोखली है माओवादी विचारधारा

बीजापुर। बीजापुर जिले में एक महिला नक्सली ने अपनी बेटी से मिलने के लिए सरेंडर कर दिया। महिला अपनी को साथ लेकर पुलिस स्टेशन पहुंची। महिला के सिर पर पांच लाख रुपये तक का ईनाम घोषित किया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

2003 से प्रतिबंधित संगठन के लिए काम क रही थीं

विद्रोही के रूप में पहचाने जाने वाली सोमली सोढ़ी उर्फ वनिता (32) ने साल 2003 से प्रतिबंधित संगठन के लिए काम कर रही ती और 2018 में इसके स्थानीय संगठन नागरम के दस्ते की कमांडर थी।

दुर्व्यवहार करते हैं नक्सली

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक अंजनेया वर्ष्णेय ने बताया कि उसने अपनी बेटी और परिवार की खातिर शनिवार को पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस को दिए अपने बयान में बीजापुर की रहने वाली विद्रोही ने खोखली माओवादी विचारधारा, दुर्व्यवहार, उत्पीड़न और परिवार के प्रति लगाव को नक्सल आंदोलन छोड़ने का कारण बताया। वह साल 2004 में आवापल्ली-इल्मिडीह सड़क विकास परियोजना को सुरक्षा प्रदान करने में लगे पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाली नक्सल टीम का हिस्सा थीं।

मिशन-2023 की तैयारी, संगठन की मजबूती पर जोर

अब जिला और विधानसभा क्षेत्रों में होंगे संकल्प शिविर

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिलों में अब संकल्प शिविर होगा। राजस्थान के उदयपुर प्रस्ताव पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चिंतन शिविर के बाद अब प्रदेश के हर जिले में शिविर होंगे। शिविर में 75 किलोमीटर की पदयात्रा को लेकर भी रूपरेखा तय की जाएगी। उदयपुर के संकल्पों को सख्ती से लागू करने पीसीसी ने तैयारी शुरू कर दी है। संकल्प शिविरों में मंत्री व स्थानीय पदाधिकारी शामिल होंगे। 90 दिनों में रिक्त पदों पर नियुक्ति पूरी करने का लक्ष्य तय किया गया है। निचले स्तर की समितियों में ज्यादातर युवाओं को जिम्मेदारी दी जाएगी।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में संकल्प शिविर का आयोजन होगा। पद यात्रा भी निकाली जाएगी। प्रदेश कांग्रेस की मासिक बैठक हर महीने की 7 तारीख को आयोजित होगी। 14 तारीख को ब्लॉक, 21 को जिलों और 30 को प्रदेश कांग्रेस की बैठक होगी। हर माह के बैठक की रिपोर्ट 10 तारीख को एआईसीसी को भेज दी जाएगी। बता दें कि राजस्थान के उदयपुर में नव संकल्प शिविर में लिए गए निर्णयों को अमलीजामा पहनाने रायपुर में 1 व 2 जून को कांग्रेस का चिंतन शिविर हुआ था। चिंतन के पहले दिन राहुल गांधी को कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। चिंतन शिविर में सत्ता और संगठन में बेहतर तालमेल, संगठन का विस्तार, जिला स्तरीय पदयात्रा, आजादी की 75वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम, संगठन के रिक्त पदों पर नियुक्तियां, युवाओं को संगठन से जोड़ने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई थी।

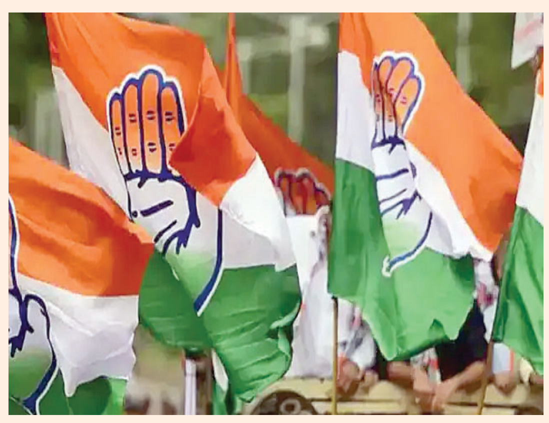

संकल्पों को जमीनी स्तर पर लागू करने कवायद

रायपुर में संकल्प शिविर आयोजित करने के पहले सीएम भूपेश बघेल ने वीडियो संदेश जारी कर कहा था कि उदयपुर शिविर से निकले संकल्पों को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उदयपुर संकल्प के रूप में स्वीकार किया है। उन सभी संकल्पों को आत्मसात करने के उद्देश्य से नवसंकल्प शिविर छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित किया गया। शिविर में उदयपुर घोषणा से उठाए गए बिंदुओं की सही तरीके से क्रियान्वित और शिविर में जिला स्तर के शिविरों का एजेंडा भी तय किया गया है। सीएम के इस संदेश से साफ है कि पार्टी आगामी विधानसभा से पहले कांग्रेस को और मजबूत करने में जुट गई है। सीएम भूपेश बघेल खुद 90 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर सरकार के कामकाज की समीक्षा कर रहे हैं।

मिशन-2023 के लिए चिंतन शिविर महत्वपूर्ण

चिंतन शिविर को छत्तीसगढ़ में अलगे साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के हिसाब से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सबसे मजबूत सरकार है। मिशन-2023 में सफलता हासिल करने व भाजपा को चारों खाने चित्त करने कांग्रेस ने रणनीति बनाई है। संगठन को और मजबूत करने पार्टी युवाओं पर फोकस कर रही है। बता दें कि उदयपुर के नव संकल्प चिंतन शिविर में कांग्रेस के आला नेताओं ने विचार-मंथन कर संगठन को मजबूत करने, लोगों से जुड़ने, केंद्र की सरकार की विफलताओं को उजागर करने, आंदोलन और संगठनात्मक सुधारों पर फोकस किया था।

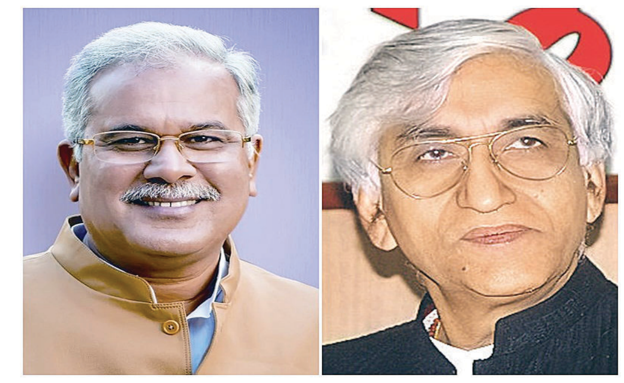

राजस्थान-हरियाणा में क्रॉस वोटिंग का खतरा

सीट बचाने सीएम भूपेश व टीएस सिंहदेव को जिम्मेदारी

रायपुर (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला को हरियाणा चुनाव के लिए ऑब्जर्वर बनाया है। वहीं छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव व पवन कुमार बंसल को राजस्थान की जिम्मेदारी दी गई है। महाराष्ट्र का पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़के को बनाया गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा कुल 5 पर्यवेक्षकों को सूची जारी की गई है। राज्यसभा चुनाव में किसी तरह की क्रॉस वोटिंग न हो, इसलिए छत्तीसगढ़ के दोनों दिग्गज नेताओं को हरियाणा और राजस्थान की कमान सौंपी गई हैं।

बता दें कि राज्यसभा चुनावों के लिए वोटिंग 10 जून को होनी है। हरियाणा कांग्रेस के 28 विधायक, राज्यसभा उम्मीदवार और हरियाणा कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी रायपुर के मेफेयर होटल एवं रिसार्ट में रुके हैं। दरअसल, 90 सदस्य संख्या वाली हरियाणा विधानसभा में राज्य सभा की 2 सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं। कांग्रेस ने यहां से अजय माकन को टिकट दिया है। वहीं भाजपा ने कृष्णलाल पंवार को प्रत्याशी बनाया है। पूर्व मंत्री विनोद शर्मा के बेटे कार्तिकेय शर्मा ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल कर दिया है। हरियाणा में राज्यसभा सीट जीतने कांग्रेस के पास 31 विधायक हैं, लेकिन कार्तिकेय शर्मा की एंट्री ने पेंच फंसा दिया है। 2 जून को केंद्रीय नेतृत्व ने सभी विधायकों को दिल्ली बुलाया था। उसके बाद सभी को रायपुर रवाना किया गया है।

हरियाणा में 2016 के चुनाव में हुआ था पेनकांड

दरअसल, हरियाणा में 2016 के राज्यसभा चुनाव के दौरान पेन कांड हुआ था। चुनाव में भाजपा समर्थित सुभाष चंद्रा और इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) और कांग्रेस ने संयुक्त रूप से आरके आनंद को टिकट दिया था। चुनाव में कांग्रेस-इनेलो की जीत तय थी, लेकिन निर्दलीय सुभाष चंद्रा विजयी हो गए। चुनाव हुआ तो कांग्रेस के 16 विधायकों के वोट निरस्त हो गए। इसका कारण यह था कि मतदान के लिए जो खास पेन दिया गया था, उसकी स्याही बदल गई थी। यह राजनीति के इतिहास का वह दांव था, जिसने हरियाणा कांग्रेस के रणनीतिकारों को चारों खाने चित्त कर दिया था। हरियाणा कांग्रेस के नाराज चल रहे कुछ विधायकों की वजह से क्रास वोटिंग का खतरा बढ़ गया है, जिसे देखते कांग्रेस विधायकों की बाड़ेबंदी की गई है।

हरियाणा के विधायकों की हो रही मेहमाननवाजी

रायपुर के होटल में विधायक सियासी चर्चाओं में व्यस्त हैं। कांग्रेस के बाड़े में कौन-कौन आ रहा है और कौन नहीं, कौन किसके संपर्क में है और क्यों नहीं आया? यही सवाल ब्रेकफास्ट से लेकर लंच तक चल रहा है। कभी लॉन में तो कभी डायनिंग हॉल में विधायकों का समय बीत रहा है। कुछ फिल्म देख समय काट रहे हैं। एक विधायक तो बकायदा रामायण भी पढ़ रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक डिनर में विधायकों से पूछा जा रहा है कि वे क्या खाना पसंद करेंगे? विधायकों की यहां खूब मेहमाननवाजी हो रही है। सीएम भूपेश बघेल ने बताया था कि सभी विधायक प्रशिक्षण में लगे हैं। चुनावी रणनीति बना रहे हैं। बैठक कर रहे हैं।

सामान्य सभा: सी मार्ट खोलने का प्रस्ताव पारित
निगम की हाइवा से दुर्घटना में मौत का मामला भी उठा

अन्य पिछड़ा वर्ग व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सर्वे का डाटा अनुमोदित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में पावरहाउस चौक के समीप बने मदर्स मार्केट में राज्य शासन की मंशा के अनुरूप सी मार्ट का संचालन होगा। नगर निगम की विशेष सामान्य सभा में आज इस संबंध में लाए गए प्रस्ताव को पारित किया गया। सदन में एक दिन पहले कोहका क्षेत्र में निगम की हाइवा वाहन से दुर्घटना में मौत का मामला भी उठाया गया। वहीं अन्य पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सर्वे का क्वांटिफायबल डाटा का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

नगर निगम भिलाई की विशेष सामान्य सभा में आज घंटे भर के भीतर समाप्त हो गई। सभापति गिरवर बंटी साहू के आदेश पर सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू हुई और 12 बजे से पहले ही सभा का समापन हो गया। इसमें रखे गए दोनों प्रस्ताव हल्के नोंकझोंक के बाद पारित कर दिए गए। पहला प्रस्ताव राज्य की जनसंख्या में अन्य पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सर्वे का क्वांटिफायबल डाटा के अनुमोदन बाबत था।

इस प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए भाजपा पार्षद पीयूष मिश्रा ने बीपीएल परिवारों के सर्वे सूची में विसंगति का हवाला देकर अन्य पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के डाटा को पुनरीक्षण के बाद अंतिम रूप देने का सुझाव रखा। उन्होंने कहा कि अनेक लोग पात्रता के बावजूद छूट जाते हैं। इसलिए एक बार पुन: सर्वे किया जाना बेहतर होगा। एमआईसी सदस्य सीजू एंथोनी ने बताया कि सर्वे कार्य का पुनरीक्षण हो चुका है और जो सूची बनाई गई है उसे अनुमोदन कर शासन को प्रेषित किया जाना है। इस जवाब के बाद सभापति ने प्रस्ताव को पारित करने की घोषणा कर दी।

दूसरा प्रस्ताव राज्य स्तरीय सी मार्ट की स्थापना हेतु भवन एवं भूमि चयन करने का था। सी मार्ट का संचालन पावरहाउस चौक के पास प्रगति मार्केट का जीर्णोद्धार कर बनाए गए मदर्स मार्केट में किए जाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इससे पहले पार्षद पीयूष मिश्रा ने पूछा की मदर्स मार्केट को सी मार्ट खोलने के लिए दिए जाने पर निगम को क्या फायदा होगा। जवाब में महापौर नीरज पाल ने बताया कि सी मार्ट का संचालन, प्रबंधन और रख रखाव छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा किया जाएगा। निगम इसके लिए मदर्स मार्केट के डोमशेड को 100 रुपए प्रति माह टोकन किराए पर उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि सी मार्ट, राज्य शासन की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की महती योजना है। इसमें शिल्पियों, दस्तकारों एवं कुम्हारों तथा महिला स्व सहायता समूहों को द्वारा उत्पादित सामग्रियों का विक्रय होने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा पार्षद पीयूष मिश्रा ने रविवार को कोहका के अवंति बाई चौक पर निगम की सफाई कार्य में संलग्न हाइवा वाहन के चपेट में आने से एक साइकिल सवार युवक की मौत का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि निगम के जिस वाहन से दुर्घटना हुई है उसका बीमा और पंजीयन खत्म हो चुका है। जवाब में आयुक्त प्रकाश सर्वे ने कहा कि दुर्घटना से वे दुखी हैं। निगम प्रशासन शोकाकुल परिवार के साथ है। गाड़ी के दस्तावेजों की जांच करा ली जाएगी और मृतक के आश्रितों को यथासंभव मदद दिलाया जाएगा।

दया ने लगाया खुर्सीपार के साथ सौतेला बर्ताव का आरोप

भाजपा पार्षद दया सिंह ने सत्ता पक्ष पर खुर्सीपार क्षेत्र के साथ सौतेला बर्ताव करने का आरोप लगाया। उन्होंने सामान्य सभा में केवल दो प्रस्ताव रखे जाने पर नाराजगी जताई। दया सिंह ने कहा कि शहर की समस्याओं से संबंधित प्रस्ताव को भी सामान्य सभा में स्थान दिया जाता तो बेहतर होता। उन्होंने कहा खुर्सीपार क्षेत्र में पीने के पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। जन आक्रोश से बचने पार्षद अपने खर्चे से पानी की व्यवस्था करने मजबूर हैं। एमआईसी सदस्य लक्ष्मीपति राजू ने दया सिंह की बात से सहमति जताते हुए आने वाले सामान्य सभा में उनकी भावना को सम्मान देने का आश्वासन दिया। सभापति ने भी दया सिंह को इस बात का भरोसा दिया।

रेल हुई डिरेल: बिलासपुर में पटरी से उतरे मालगाड़ी के छह डिब्बे
खंभे क्षतिग्रस्त, कई ट्रेनें प्रभावित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर रेलवे स्टेशन के पास रविवार शाम एक मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में कोई जान-माल का तो नुकसान नहीं हुआ लेकिन रूट बाधित होने के चलते मुंबई-हावड़ा लाइन की कई गाड़ियां प्रभावित हुईं। घटना के बाद कई यात्री गाड़ियों को आउटर में खड़ा कर दिया गया। रेल प्रशासन द्वारा लाइन क्लियर करने के बाद फिर ट्रेनों का संचालन सामान्य हो सका।

तार और खंभे क्षतिग्रस्त

जानकारी के अनुसार बिलासपुर जोनल स्टेशन के पास सीमेंट की बोरी से लदी मालगाड़ी पटरी से उतर गई जिसके कारण तार टूट गई और खंभे भी क्षतिग्रस्त हो गए। इसके चलते कोरबा रूट के साथ ही बिलासपुर-रायपुर रूट की यात्री ट्रेनें बाधित हुई और यात्रियों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस घटना के बाद रेलवे ने कई लोकल ट्रेनों को कैंसिल कर दिया।

एक और मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे

वहीं इस घटना के कुछ देर पहले शाम करीब 5.45 बजे कोरबा-चांपा रूट में बालपुर स्टेशन के पास मालगाड़ी पटरी से उतर गई। एक साथ दो-दो मालगाड़ियों के डिरेल होने से अफसरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। रेल यातायात को सुचारू करने के लिए वैगनों को पटरी पर लाने के लिए रेलवे कर्मचारियों को काफी मशक्कत करना पड़ा।

छत्तीसगढ़ के संदीप श्रीवास्तव को मिला बेस्ट स्क्रीनप्ले अवार्ड: मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर निवासी संदीप श्रीवास्तव को फिल्म 'शेरशाह' में स्क्रीनप्ले के लिए IIFA टेक्निकल अवॉर्ड 2022 मिलने पर बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि 'शेरशाह' फिल्म की कहानी ने लोगों का दिल जीत लिया था।

मुख्यमंत्री बघेल ने ट्वीट किया है कि हमारे बिलासपुर के संदीप श्रीवास्तव को फिल्म शेरशाह के स्क्रीनप्ले के लिए IIFA अवॉर्ड मिला है, उन्हें बहुत-बहुत बधाई।

स्थाई स्तंभ

बुनियाद में मट्ठा और बुलंद इमारत की चाहत

दीपक रंजन दास

उसने खुद को एसआईबी का कर्मचारी बताया। उसने यह भी बताया कि पुलिस में उसकी ऊंची पहचान है और वह आरक्षक पद पर लगवा सकता है। तीन युवकों ने उसे पांच-पांच लाख रुपए दिये और नौकरी का इंतजार करने लगे। न तो इंतजार खत्म हुआ और न ही उन्हें अपनी रकम वापस मिली। लिहाजा उन्होंने पुलिस में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस आरोपी को पकड़ लाई। उसने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया। पर मामला यहीं खत्म नहीं हो जाता। यह कोई इकलौती ऐसी घटना नहीं है। पुलिस की नौकरी के लिए रिश्वत का लिया और दिया जाना इतना आम हो चला है कि लोग झांसे में आ ही जाते हैं। केवल नौकरी ही क्यों, कहा जाता है कि पुलिस विभाग में ढंग की पोस्टिंग का भी ठेका होता है। कमाऊ पूतों को अच्छा थाना, ट्रैफिक पुलिसिंग और मलाईदार पोस्टिंग जाती है। यह कितना सच है और कितना झूठ यह तो विभाग ही बता सकता है पर उसकी इज्जत का फालूदा हो रहा है। लोगों की धारणा है कि खाकी और गांधी के बीच करारा संबंध है। जिस विभाग में भर्ती से पहले ही पैसों का खेल शुरू हो जाता है, उससे ईमानदारी की उम्मीद करना, सरासर नाइंसाफी है। अब कोई लाखों रुपए खर्च कर आरक्षक बनेगा तो क्या उसे उपरिहा हजार-पांच सौ कमाने पर दोषी ठहराया जा सकता है? जिस विभाग की जड़ों में ही मट्ठा डला हो, उसपर बुलन्द इमारत की उम्मीद ही क्यों की जानी चाहिए? सबके सब अपनी क्षमता के अनुसार कमाने में लगे हैं। सरकारें प्राकृतिक संपदा बेच रही हैं, नेता और अफसर ठेकेदारों से हिस्सा ले रहे हैं, ठेकेदार लोगों की गालियां खाकर अपना हिस्सा बचा रहा है। कोई ठग रहा है तो कोई ठगी का शिकार हो रहा है। फिर हायतौबा क्यों?

संपादकीय

जेब पर भारी

स्वास्थ्य देखभाल खर्च का तेजी से बढ़ना न केवल चिंता, बल्कि चिंतन का भी विषय है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में स्वास्थ्य देखभाल पर व्यक्तिगत खर्च का सबसे बड़ा घटक दवाएं हैं। नीति आयोग, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और मुंबई के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन साइंसेज के शोधकर्ताओं के अनुसार, वार्षिक प्रति व्यक्ति आउट पेशेंट लागत वार्षिक इनपेशेंट लागत से कहीं अधिक है। कंपोनेंट्स ऑफ आउट-ऑफ-पॉकेट एक्सपेंडिचर ऐंड देयर रिलेटिव कॉन्ट्रिब्यूशन टु इकोनॉमिक बर्डन ऑफडिजीज इन इंडिया शीर्षक से यह रिपोर्ट अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित हुई है। इस अध्ययन में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के सार्वजनिक और निजी अस्पतालों के 43,781 रोगियों व 8,914 बाह्य रोगियों द्वारा खर्च के ढंग का विश्लेषण किया गया है। यह बात भी सामने आई है कि भारत में कुल स्वास्थ्य देखभाल खर्च का लगभग 63 प्रतिशत लोग अपनी जेब से वहन करते हैं, बाकी खर्च सरकार करती है। भारत सरकार सकल घरेलू उत्पाद का महज 2.1 प्रतिशत ही स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च करती है। इसके अलावा यह भी चिंता की बात है कि भारत में स्वास्थ्य बीमा उद्योग लोगों के कुल स्वास्थ्य व्यय के लगभग 12 प्रतिशत की ही भरपाई करता है।

> चिकित्सा की पढ़ाई में भी किफायती इलाज पर जोर देना चाहिए। देश में जगह-जगह जेनेरिक दवाओं के स्टोर खोलने की जरूरत है, वहीं सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने पर सरकार को ज्यादा ध्यान देना चाहिए, ताकि लोग अपनी बीमारियों को न छिपाएं, सहजता से इलाज कराएं।

आम तौर पर लोग अस्पताल में भर्ती होकर जितना खर्च करते हैं, उससे कहीं अधिक खर्च बाहर रहते इलाज में करते हैं। सर्वाधिक पैसा दवाइयों पर खर्च होता है। रोगियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति के साथ चिकित्सक परामर्श और जांच पर होने वाले खर्च का औसत भी तेजी से बढ़ रहा है। अध्ययन से यह भी ज्ञात हुआ है कि सार्वजनिक अस्पतालों की तुलना में निजी अस्पतालों में औसत चिकित्सक परामर्श शुल्क 12 गुना अधिक है। मतलब सरकारी अस्पताल में अगर किसी चिकित्सक से परामर्श के लिए 100 रुपये खर्च होते हैं, तो निजी अस्पताल में 1,200 रुपये। निजी अस्पतालों में भर्ती होकर इलाज कराने वालों को 24 गुना से भी अधिक राशि खर्च करनी पड़ती है। मतलब, जो इलाज सरकारी अस्पतालों में 1,000 रुपये में हो सकता है, निजी अस्पतालों में उसके लिए 24,000 रुपये तक लग सकते हैं। इसके अलावा भारत में चूंकि अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं हर जगह उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए भी यात्रा खर्च जेब पर बोझ बढ़ाता है। इस बारे सोचा भी नहीं जाता है।

बहरहाल, इस रिपोर्ट ने सही दिशाओं की ओर इशारे किए हैं। दवा और जांच के बाजार को नियोजित करना जरूरी है। इलाज का अर्थ यह नहीं कि मरीज से अधिकतम धन की वसूली की जाए। बीमार मरीज और उसके परिजन स्वयं दुखी रहते हैं, ऐसे में, उनके कष्ट को कम करने के बारे में निजी अस्पतालों ही नहीं, बल्कि सरकारी अस्पतालों के प्रबंधन को भी सोचना चाहिए। देश में जिन सरकारों ने दवा, जांच, इलाज को मुफ्त कर दिया है, उनकी तारीफ होनी चाहिए, लेकिन चिकित्सा गुणवत्ता भी देखनी चाहिए। जैसे नीति बनाकर सरकारी अस्पतालों को नहीं छोड़ा जा सकता, वहीं पूरी रियायत देकर निजी अस्पतालों को भी नहीं छोड़ना चाहिए। चिकित्सा की पढ़ाई में भी किफायती इलाज पर जोर देना चाहिए। देश में जगह-जगह जेनेरिक दवाओं के स्टोर खोलने की जरूरत है, वहीं सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने पर सरकार को ज्यादा ध्यान देना चाहिए, ताकि लोग अपनी बीमारियों को न छिपाएं, सहजता से इलाज कराएं।

मोदी के आठ साल

पिछले 75 साल में भारत में 14 प्रधानमंत्री हुए। उनमें से पांच कांग्रेसी थे और 9 गैर-कांग्रेसी हुए। इन गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों में यदि सबसे लंबा कार्यकाल किसी प्रधानमंत्री को अभी तक मिला है तो वह नरेंद्र मोदी को ही मिला है। उन्होंने आठ वर्ष पूरे कर लिए हैं और अपनी शेष अवधि पूरी करने में भी उन्हें कोई आशंका नहीं है। यह भी असंभव नहीं कि वे लगातार तीसरी अवधि भी पूरी कर डालें। यदि ऐसा हुआ तो जवाहरलाल नेहरु के बाद वे ऐसे पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे, जो लगातार सर्वाधिक अवधि वाले प्रधानमंत्री कहलाएंगे।

भारतीय लोकतंत्र के विपक्ष की यह बड़ी उपलब्धि होगी। हमारे कई पड़ौसी देशों में भी इतने लंबे समय तक राज करने वाले नेता नहीं हुए हैं। लेकिन मूल प्रश्न या सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि आप कितने साल तक गद्दी पर बैठे रहे? उससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि आपने अपने राष्ट्रोत्थान के लिए बुनियादी काम किए या नहीं? आपने क्या ऐसे काम भी किए हैं, जिन्हें इतिहास याद रखेगा? इंदिरा गांधी ने आपात्काल लगाने की भयंकर भूल की लेकिन उन्हें याद किया जाएगा— परमाणु-परीक्षण, सिक्किम के विलय, पंजाब पर नियंत्रण और सबसे ज्यादा बांग्लादेश के निर्माण के लिए! उनके 'गरीबी हटाओ' का नारा सिर्फ चुनाव जीतने का हथकंडा बनकर रह गया लेकिन उनकी कार्यप्रणाली कुछ ऐसी रही कि भारत के लगभग सारे राजनीतिक दल उनकी देखादेखी प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों में बदल गए हैं। अब क्या नरेंद्र मोदी इस ढर्रे को बदल पाएंगे या और अधिक मजबूत करके छोड़ जाएंगे? इस ढर्रे पर चलकर पार्टियों के आंतरिक लोकतंत्र की बलि तो चढ़ती ही है, राष्ट्रीय लोकतंत्र के लिए भी खतरा पैदा हो जाता है। इसी तरह भारत की आर्थिक प्रगति भी सभी प्रधानमंत्रियों के काल में लंगड़ाती रही है। जो चीन अब से 50 साल पहले हमसे पीछे था, उसकी आर्थिक शक्ति हम से 5 गुना ज्यादा हो गई है। कहां वह और कहां हम? विश्व गुरु गुड़ चूस रहा है और चेला शक्कर के मजे ले रहा है।

-वेद प्रताप वैदिक

> महामारी का मामला किसी भविष्यवाणी का या समय रहते किन्हीं खतरों को सूंघने का मामला नहीं होता, बल्कि यह हर वक्त पूरी तैयारी रखने का मामला होता है। लोगों की पीठ पर बोझ डाले बिना उनकी सेहत के लिए हर तरह की व्यवस्था बनाने का मामला होता है। हमारी सबसे बड़ी चिंता इसी को लेकर होनी चाहिए।

महामारी से भी बड़ी हमारी एक चिंता

हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार

ताजा आंकड़ों से पता चला कि कोरोना वायरस से संक्रमित होने वालों की संख्या फिर से बढ़ने लगी है। यह बढ़ोतरी मुंबई, पुणे, चेन्नई, बेंगलुरु और दिल्ली, सभी महानगरों व बड़े शहरों में दिख रही है। ये आंकड़े उस समय आ रहे हैं, जब ज्यादातर लोगों ने मान लिया है कि महामारी अब गुजरा हुआ जमाना हो चुकी है। इक्का-दुक्का अपवाद हो सकते हैं, सड़कों-बाजारों में जहां भी निकल जाएं, अब कोई मास्क नहीं लगाता। सार्वजनिक स्थानों पर जो व्यवहार दिखाई देता है, उससे नहीं लगता है कि ज्यादातर लोगों को यह पता भी है कि शारीरिक दूरी किस चिड़िया का नाम है। दो साल पहले दुकानों के बाहर इसके लिए जो गोले खींचे गए थे, वे या तो पूरी तरह धुंधला गए हैं या बेमतलब हो चुके हैं।

बात सिर्फ आम लोगों की नहीं है, सरकारों का भी यही हाल है। नियम-कायदों में ढील दे दी गई है। सरकारी इमारतों, रेलवे स्टेशनों, यहां तक कि हवाई अड्डों पर भी अब कोई मास्क के लिए नहीं पूछता। सेनेटाइजर की बोतलें या तो नदारद हैं या खाली पड़ी रहती हैं। शरीर की हरारत नापने वाली गन आमतौर पर खराब हो चुकी हैं। अब किसी भी प्रवेश द्वार पर चेक नहीं किया जाता कि आपके स्मार्टफोन में आरोग्य सेतु है या नहीं। महामारी के पिछले दो साल ने जिस तरह के दुख-दर्द दिए, उन्हें भुला देने में भलाई हो सकती है, लेकिन हमने जिस तरह से सावधानियों को भूलना शुरू कर दिया है, वह खतरनाक भी हो सकता है। आप चाहें, तो इसे खतरों को नजरंदाज करने वाला समाज भी कह सकते हैं, और चाहें, तो महीनों चली पाबंदियों के बाद मास्क हटाकर राहत की सांस लेने वाला जनसमूह भी।

बाकी दुनिया में भी यही होता दिख रहा है। महामारी से बचने के लिए कौन सी सावधानियां जरूरी हैं, इस पर विमर्श तो तकरीबन हर जगह खत्म हो गया है। दो साल पहले जब महामारी की शुरुआती खबरें आनी शुरू हुईं, तो एक नाम काफी तेजी से चर्चा में आया था- डॉक्टर एंथोनी फाउची। वह अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रमुख चिकित्सा सलाहकार हैं और इस नाते भी उनकी गिनती दुनिया के सबसे बड़े चिकित्सकों में होती है। पिछले सप्ताह उन्होंने यह घोषणा कर दी कि अमेरिका महामारी के दौर से बाहर निकल चुका है। उन्होंने इसका सबसे ज्यादा श्रेय वैक्सीन अभियान को दिया। यह बात अलग है कि इस बयान के कुछ ही समय बाद जब उनकी जांच हुई, तो वह खुद कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। वह तब तक वैक्सीन की दोनों खुराक ही नहीं, बूस्टर डोज भी लगवा चुके थे। जो बात फाउची ने कही, वही बात दूसरे ढंग से यूरोपीय संघ की एक विज्ञप्ति में कही गई, लेकिन पूरी सावधानी के साथ। विज्ञप्ति में कहा गया कि यूरोप अब कोविड के किसी भी तरह के आपातकाल से बाहर आ चुका है।

हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत दुनिया के ज्यादातर महामारी विशेषज्ञ और वैज्ञानिक इस बात से सहमत नहीं हैं कि महामारी का खतरा टल गया है। वे मानते हैं कि यह एक दौर है, जब कोरोना वायरस का जो रूप हमारे बीच है, वह उतना घातक नहीं दिख रहा। लेकिन कभी भी इसका कोई ऐसा रूप हमारे सामने आ सकता है, जो हमारी सारी उम्मीदों पर पानी फेर कर हालात को पूरी तरह से बदल दे। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि आगे चलकर यह वायरस किस तरह का व्यवहार करेगा, हम यह बिल्कुल भी नहीं जानते, इसलिए विज्ञान महामारी को लेकर कोई भी भविष्यवाणी करने की स्थिति में नहीं है। अभी जो स्थिति है, उसे लेकर आश्वस्त नहीं रहा जा सकता। इस पर एक सहमति जरूर दिख रही है कि महामारी या 'पेंडेमिक' तब पूरी तरह से खत्म होगी, जब वह एक नियमित बुखार, यानी 'एंडेमिक' में बदल जाएगी। लेकिन यह कब होगा, इसे कोई नहीं जानता।

वैसे इन बातों का कोई बहुत अर्थ है भी नहीं, क्योंकि पूरे मानव इतिहास में कोई भी महामारी कभी पूछकर या बताकर नहीं आई और न ही गई। महामारियां हमेशा अचानक आ टपकती हैं और हमारी तैयारियों व हमारे चिकित्सा ज्ञान की परीक्षा लेती हैं। इसलिए इस समय जब कोविड का थोड़ा मंदा दौर चल रहा है, तब हमें खुद से वे सवाल फिर एक बार पूछने चाहिए, जिनके जवाब हम दो साल पहले भी ढूंढ़ रहे थे।

जब महामारी ने पहली दस्तक दी थी, तब अखबारों और टीवी की खबरों में ऐसे बहुत से आंकड़े सामने आए थे, जिनमें बताया गया था कि प्रति हजार लोगों पर कितने डॉक्टर होने चाहिए और हमारे यहां कितने हैं? इसी तरह से अस्पताल में कितने बिस्तर होने चाहिए, कितनी नर्स होनी चाहिए, कितने वेंटिलेटर होने चाहिए, वगैरह? इन आंकड़ों में कुछ भी नया नहीं था और ये पहले ही सबके लिए उपलब्ध थे। लेकिन पूरे समाज के लिए इन आंकड़ों को गंभीरता से लेने का यह पहला मौका था। महामारी की खबरों ने लोगों को जितनी दहशत नहीं दी थी, उतनी इन आंकड़ों ने दी। देश में स्वास्थ्य सुविधाएं बहुत कम हैं, इसका अनुभव तो तकरीबन हर किसी को था, लेकिन कुछ चिंताएं संकट काल में ही ज्यादा सताती हैं।

अगले कुछ महीने संघर्ष के थे। टेस्ट के लिए संघर्ष, दवाओं के लिए संघर्ष, अस्पताल में बेड के लिए संघर्ष, ऑक्सीजन के लिए संघर्ष, वेंटिलेटर के लिए संघर्ष। यह ठीक है कि कोशिश से बहुत सारी व्यवस्थाएं बाद में होती दिखने लगीं और फिर वैक्सीन ने भी हालात को काफी संभाला, लेकिन महामारी के दो झटकों ने बहुत सी चीजों की पोल खोल दी थी। यह समझ में आ गया था कि जो समाज सामान्य हालात में अपने लोगों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं दे सकता, वह महामारी के संकट काल में असहाय दिखने के लिए अभिशप्त होगा ही।

इसलिए फिलहाल यह सवाल ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है कि महामारी चली गई या नहीं, यह पूछना भी महत्वपूर्ण नहीं है कि मायावी कोरोना वायरस कोई नया रूप धरकर लौटेगा या नहीं? महामारी का मामला किसी भविष्यवाणी का या समय रहते किन्हीं खतरों को सूंघने का मामला नहीं होता, बल्कि यह हर वक्त पूरी तैयारी रखने का मामला होता है। लोगों की पीठ पर बोझ डाले बिना उनकी सेहत के लिए हर तरह की व्यवस्था बनाने का मामला होता है। हमारी सबसे बड़ी चिंता इसी को लेकर होनी चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

माता-पिता के बिगड़े खानपान का बच्चों पर गहरा असर

क्षमा शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका के ओरेगन में दो वर्ष पहले एक महत्वपूर्ण अध्ययन हुआ था। इसमें बताया गया था कि घर में जो कुछ भी उपलब्ध है, माता-पिता उन्हीं चीजों को खाते हैं और बच्चों को वही परोसा जाता है। अफसोस, यह अक्सर डब्बाबंद बाजार का खाना होता है। माता-पिता के साथ खाते-पीते बच्चों को भी वे ही चीजें पसंद आने लगती हैं।

इस तरह उनके खानपान की आदतें विकसित होती हैं। यदि माता-पिता को खाने में अधिक चीनी और अधिक नमक पसंद है, तो बच्चों का भी वही स्वाद बन जाता है। यही नहीं, अगर बच्चों को बार-बार जंक फूड परोसा जाता है, तो वे उसे ही बार-बार मांगते हैं। घर के बाहर भी बच्चे इन्हीं खाद्य पदार्थों को खाना चाहते हैं। न मिले, तो नाराज भी हो जाते हैं। ऐसे में, यदि बच्चों को शाक-भाजी न परोसी जाए, तो उनका स्वाद विकसित नहीं हो पाता है। यह उनके स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। ओरेगन के अध्ययन में 81 स्कूलों के बच्चों को शामिल किया गया था और तब शोधकर्ता नतीजों पर पहुंचे थे। अध्ययन में जंक फूड तैयार करने वाली कंपनियों का ध्यान भी इस ओर आकर्षित किया गया था। बताया गया कि उनके द्वारा तैयार खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी और वसा का प्रतिशत बहुत होता है। एक तरह से चेतावनी भी दी गई कि बच्चों को इस तरह से ज्यादा से ज्यादा जंक फूड परोसना अमेरिका में डॉक्टरों द्वारा बताए जाने वाले दिशा-निर्देशों के खिलाफ है, जो बच्चों के खानपान के बारे में बताई जाती हैं। इसमें साफतौर पर बच्चों को वे खाद्य पदार्थ देने की बात कही जाती है, जिनमें नमक, चीनी, वसा कम हो और साबुत अनाज, सब्जियां ज्यादा हों। दूध अगर पीना हो, तो कम चिकनाई वाला पिएं, लेकिन कई बार माता-पिता अपनी व्यस्तता, नौकरी और परिवार की जिम्मेदारी के बीच, इस बात का ध्यान नहीं रख पाते हैं कि बच्चों को कौन-सी खाने की चीजें दें, जो उन्हें केवल बचपन में ही नहीं, बल्कि जीवन भर स्वस्थ रख सकें। होता तो यह है कि खानपान की जो आदतें बचपन में विकसित हो जाती हैं, वह जीवन भर बनी रहती हैं। बाद में आदतें बदलना आसान नहीं होता।

वैसे भी पश्चिमी समाजों में घर के खाने के वे तौर-तरीके नहीं हैं, जो हमारे यहां हैं। हालांकि, अपने यहां भी खानपान की आदतें बहुत तेजी से बदल रही हैं। घर के खाने के मुकाबले बाहर का खाना अच्छा माना जा रहा है। बच्चों का खानपान पोषक तत्वों से भरपूर हो, इसके मुकाबले स्वाद पर जोर बढ़ चला है। ज्यादा नमक और चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों को ज्यादा स्वादिष्ट लगते हैं। कितनी चीनी और कितना नमक खाया जाए, इसकी जनकारी अक्सर घर वालों को ही नहीं होती है। इस तरह के खाने से ही बच्चे मोटे हो रहे हैं और तरह-तरह के रोगों के शिकार भी। यही नहीं, कई बार देखा गया है कि माता-पिता अगर कोई अस्वाथ्यकर चीज खा रहे हैं, तो बच्चे भी उन्हें खाने लगते हैं। छोटे-छोटे बच्चे शराब और ड्रग्स का सेवन तक कर रहे हैं। इन चीजों के प्रयोग के कारण वे हिंसक भी हो रहे हैं।

हाल ही में एक खबर आई थी कि माता-पिता सुपारी खाते थे। वे उसे काटकर रख देते और खाते रहते थे। घर में पांच साल की बच्ची भी थी। माता-पिता की देखादेखी, बच्ची भी दिन भर सुपारी खाने लगी। उसे रोका भी नहीं गया। एक दिन पता चला कि बच्ची के मुंह में घाव हो गया है। कई डाक्टरों को दिखाया गया, लेकिन डाक्टरों की दवा से कोई फायदा नहीं हुआ। माता-पिता उसे अस्पताल ले गए। वहां जांचें हुईं, तो पता चला कि बच्ची को मुंह का कैंसर हो गया है। खैरियत थी कि यह पहले स्टेज में ही था। इसलिए बच्ची का इलाज सफलतापूर्वक हो गया। इस बच्ची के माता-पिता कुछ समझदार हैं। दिल्लीवासी हैं, इसलिए बच्ची को जल्दी से जल्दी इलाज मिल सका। लेकिन अपने देश के बहुत से बच्चे इतने भाग्यशाली नहीं होंगे। इसलिए माता-पिता को चाहिए कि घर में ही वह ऐसे भोजन पकाएं और खाएं, जो बच्चों के लिए हितकर हों। बच्चों में खानपान की वही आदतें विकसित हों, जो जीवन भर उनके काम आएं। बच्चे हमेशा सेहतमंद रहें। ध्यान रहे, भोजन के लिए पहले लोग काफी मेहनत करते थे, लेकिन अब लोग केवल सुविधा और स्वाद देखने लगे हैं। ऐसे में, अधिक मिर्च, मसाले और तली हुई चीजों का सेवन बढ़ रहा है। असंख्य अभिभावक जानते-समझते हुए भी गलती कर रहे हैं। जिन अभिभावकों ने अपने बचपन में अच्छे खानपान का लाभ उठाया है, वह भी अपने बच्चों को बेहतर खानपान नहीं दे पा रहे हैं। अतः बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए देश में स्पष्ट दिशा-निर्देशों की जरूरत बढ़ती जा रही है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

क्यूं सांसों में इतना दर्द है? दुर्लभ हो गया जीना मुस्कान कहां गई? दिया दर्द परायों नें।

-अंजली जैन

7024460938

सब बातों का एक सच, आइडिया!

हरिशंकर व्यास

मनुष्य और मानव सभ्यता का पहला सत्व है दिमाग की जिज्ञासा, ख्याल, भाव और आइडिया। चाहें तो इसे मनुष्य अस्तित्व की बुद्धि-विचार-सत्य की गंगोत्री कहें या त्रिवेणी! ज्मनुष्य अस्तित्व और उसकी तमाम अवस्थाओं का आधार है आइडिया। मनुष्य अपने आपको क्या मानता है, अपना क्या व्यवहार रखता है, दुनिया को कैसे देखता है, कल-आज-कल की क्या अवधारणा है, इस सबकी धुरी है आइडिया।.. सवाल है चिम्पांजी के मूल पशुगत डीएनए याकि मनुष्य खोपड़ी में भूख,हिंसा, भय, स्वामित्व की स्कौफॉल्डिंग से जकड़ा दिमाग आगे बढ़ा या विचारकों-दार्शनिकों की प्रतिभाओं से मनुष्य बुद्धि का इवोल्यूशन हुआ?

प्रलय का मुहाना-22= मैं क्या? आप क्या? जीवन-मरण क्या, शरीर क्या, दुनिया क्या? ऐसी हर जिज्ञासा और सवाल की वजह है दिमाग! उसमें आते-जाते ख्याल! आइडिया!ज्यह चंचलता पशु के दिमाग में नहीं होती। तभी फर्क है मनुष्य और पशु में। चिम्पांजी का वंशज मनुष्य जब अफ्रीकी जंगल, गुफा से बाहर निकला, तो वह मष्तिष्क में जिज्ञासा की किरण से था। दिमाग में चेतनता के बीज के प्रस्फुटन से था। कौतुकता पैदा होना था। उसी के बाद दिमाग का चलना शुरू हुआ। चेतनता बनी। विचार और आइडिया पैदा होने लगे। मनुष्य बुद्धि के खास जैविक सीपीयू की नींव बनना शुरू हुई!

वह मोड़ था जब चिम्पांजी और मनुष्य (होमो सेपियन) का अलग-अलग दिशा में सफर शुरू हुआ। निश्चित ही मानव जीव जैविक तौर पर पशु जगत का हिस्सा है। उसके डीएनए बतौर बीज मष्तिष्क में स्थाई हैं। बावजूद इसके चिम्पांजी बाद की प्रारंभिक मनुष्य खोपड़ी के वंशज होमो हैबिलिस, होमो हाईडलबर्गेंसिस, होमिनिड, होमो इरेक्टस आदि से ढाई लाख साल पहले होमो सेपियन (मानव) की खोपड़ी में दिमाग का उर्वर बनना और उससे ख्यालों-विचारों की फसलों की निरंतर पैदाइस वह विकास है जो मानव इतिहास और आठ अरब मनुष्यों की मौजूदा मानव सभ्यता के अस्तित्व से जाहिर है!

पहला आइडिया पत्थर!

मनुष्य खोपड़ी का पहला अहम आइडिया क्या? अपनी राय में हाथ में पत्थर! जिस आदि मानव ने, जिस भी परिस्थिति में बैठे हुए, पत्थर को हाथ में उठाया, उस पर सोचा, और उसे फेंका तो परिणाम में उसके उपयोग, उसकी शक्ति का उसे जो बोध हुआ वह मनुष्य का पहला क्रांतिकारी ख्याल, आविश्कारिक आइडिया था। मनुष्य को 'उपयोग' व किसी 'चीज' का उपयोग समझ आया। पत्थर उसका पहला औजार हुआ। उसी क्षण वह पशु जगत से अलग प्राणी बना।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in
@commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

बस्तर में बेहतर कार्य से लोग मुख्य धारा से जुड़े

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री ने अंतागढ़ विधानसभा में योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कीमुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज कांकेर में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर में आपके बेहतर कार्यों और प्रयासों से लोग मुख्य धारा से जुड़ने लगे हैं, कर्मचारियों में भी भय का माहौल कम हुआ है। लोगों को रोजगारमूलक कार्यों से जोड़ने के कारण अब क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों में कमी आई है और अच्छी शिक्षा व्यवस्था से यहां के बच्चे भी मेरिट में अपना स्थान बना रहे हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री बघेल अपने भेंट मुलाकात अभियान के दौरान विधानसभावार अधिकारियों एवँ कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा कर शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ले रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री बघेल ने आज कांकेर विधानसभा में शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने जल संसाधन विभाग, नरवा विकास कार्यक्रम, हाट बाज़ार क्लिनिक, नल जल मिशन की प्रगति एवँ जिले में हो रहे रोजगारमूलक कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री बघेल ने नरवा विकास के सम्बंध में कोरर और चारामा क्षेत्र फ़ेस वन में हुए कार्यों की तथा वन, राजस्व और जल संसाधन विभाग के सर्वे के आधार पर भू-जल स्तर में हुई वृद्धि की भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नाला प्रोजेक्ट में साइंटिफ्कि तरीक़े से कार्य करने के लिए निर्देशित किया, जिससे जंगलों में हरियाली बढ़ेगी और जल स्तर में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में नरवा विकास के कार्य बेहतर हुए हैं, गुणवत्ता में बिना किसी समझौता के साथ ही डिसिलटिंग के कार्य को भी प्राथमिकता दें। नल-जल मिशन में उपयोग में आने वाली सामग्री की गुणवत्ता से समझौता नहीं करने के साथ ही उन्होंने अधिकारियों को योजना के सतत निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि शासन की योजनाओं और सिस्टम में हुये सुधार के कारण अब दूसरे प्रदेश के लोग भी यहां की योजनाओं का लाभ लेने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने पुलिस और राजस्व के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इस बात की तस्दीक करें कि शासन की योजनाओं का लाभ वास्तविक निवासियों को ही मिले, साथ ही अन्य प्रदेशों से आने वालों की पूरी जानकारी भी अपडेट रखें। उन्होंने कहा कि पंखाजुर में राशन कार्ड की समस्या का निराकरण करने की आवश्यकता है। साथ ही सिस्टम को बेहतर करने के लिए निरन्तर बेहतर प्रयास करने की भी जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र अतिसंवेदनशील क्षेत्र है, जिसमें विशेष रूप से कार्य करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों को वनों में आम, जामुन, अमरूद, कटहल, आंवला, सीताफल जैसे फलदार पौधे लगाने की बात कही। फलदार पौधों से वन्यजीवों को भोजन मिलेगा, जिससे जैव विविधता में वृद्धि होगी और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री मती अनिला भेंड़िया, संसदीय सचिव शिशुपाल सोरी, विधायक अनुप नाग, मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी और मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन भी उपस्थित थे।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए व्यापार में उनकी सहभागिता बढ़ानी होगी-स्मृति ईरानी

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी से सौजन्य भेंट कर चेम्बर की कार्य प्रणाली से अवगत कराते हुए रायपुर आगमन पर बधाई दी । श्री अमर पारवानी ने बताया की आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर केन्द्रीय महिला एवं विकास मंत्री द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने तथा व्यापार में उनकी सहभागिता बढाने को लेकर अपने सुझाव दिए ।

उन्होंने कहा कि, उद्यमिता में एक तरफ भरपूर लाभ कमाने की सम्भावना होती है तो दूसरी तरफ जोखिम,अनिश्चितता और अन्य खतरे की भी प्रबल संभावना होती है। परन्तु आज व्यापार जगत में जिस तरह महिलाये पुरुषों के साथ कंधे से कन्धा मिलकर चल रहीं हैं चाहे वो कोई महिला स्व सहायता की मुखिया हो या किसी अंतराष्ट्रीय कंपनी की सी ई ओ प्रत्येक क्षेत्र में वो अपनी छाप छोड़ रही हैं ।

वही कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेम्बर के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राम मंधान, प्रदेश महामंत्री अजय भसीन, प्रदेश कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा मंत्री निलेश मूंदड़ा, युवा चेम्बर मंत्री विपुल पटेल और राजू चंदनानी शामिल हुए।

खास खबर

मुख्यमंत्री ने चखा आम गुरामी और शहद से बने लोकटी का स्वाद

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने भेंट मुलाकात अभियान के लिए कांकेर विधानसभा के ग्राम कोदागांव पहुंचे। उन्होंने जनप्रतिनिधियों संग कृषक गिरवर साहू के घर पर पंगत में बैठकर भोजन किया। श्री साहू के परिजनों ने द्वार पर छत्तीसगढ़ी परम्परा के अनुसार चौक पुराए पीढ़े पर तिलक लगाकर और शॉल श्रीफल भेंटकर मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल को भोजन में गुड़ और आम से बना आम गुरामी, करेला भरवा, जिर्रा भाजी दाल, उड़द दाल का बड़ा, रोटी, चावल, दही, भिंडी, टमाटर की चटनी और बालक प्रवीण ने मधुरस से बना व्यंजन लोकटी परोसा। मुख्यमंत्री ने स्वादिष्ट भोजन के लिए सभी का धन्यवाद किया और घर के सदस्यों से मुलाकात कर उपहार भी भेंट किया। उन्होंने नन्हे होशित को भी स्नेहपूर्वक तोहफा दिया । गिरवर साहू कृषक हैं, जिनके पास 12 एकड़ कृषि भूमि है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर दिया गया जन जागरूकता संदेश पर्यावरण संरक्षण की ली शपथ

सुकमा। पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन हम सबकी जिम्मेदारी है। इसके लिए विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज जिले में जन जागरूकता का संदेश दिया गया। पर्यावरण दिवस पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित आम जनता ने श्रमदान कर पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लोगों को प्लास्टिक का उपयोग ना करने, साफसफाई रखने और पौधरोपण करने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर अनेक स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया साथ ही जन जागरूकता संदेश देने के लिए रैली भी निकाली गई। पर्यावरण दिवस पर समन्वित प्रयास से आयोजित गतिविधियों में महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों आदि द्वारा अपनी सहभागिता रैली, पेंटिंग, मेहंदी प्रतियोगिता, वृक्षारोपण व पर्यावरण संरक्षण शपथ में दी गई।

विश्व पर्यावरण दिवस : वृक्षारोपण अभियान कल्पतरु का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में भिलाई सहित पूरे भारत वर्ष के सेवा केंद्रों में अनोखे वृक्षारोपणअभियान कल्पतरु का शुभारंभ हुआ ।वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रम्हाकुमारी प्राची दीदी ने कल्पतरुह अभियान के बारे में बताते हुए कहा कि एक व्यक्ति एक वृक्ष एक लक्ष्य के साथ एक विश्व हमारा परिवार है संकल्प के साथ उसकी पालना करेंगे। कल्प माना वृक्ष और रूह माना आत्मिक स्नेह से उसकी पालना करेंगे।

आज प्रकृति सहित मनुष्य आत्माओं को भी शांति प्रेम, सहनशीलता नम्रता,करुणा की आवश्यकता है, हम जो सोचते हैं उसे प्रकृति ग्रहण करती है यह वैज्ञानिक अनुसंधान में सिद्ध हो चुका है, सभी धर्मों ग्रंथों में तुलसी,पीपल,बरगद,क्रिसमस ट्री पेड़ पौधों के रूप में पूजा जाता है 7 प्राचीन काल में तप, ध्यान, शिक्षा भी वृक्षों के नीचे ही ग्रहण किया जाता था, प्रकृति के बीच हमारा मन शांत हो जाता है7 हमारे मन के सुख और दुख की तरंगों को प्रकृति ग्रहण करती है7 सर्वप्रथम उपस्थित अतिथिगण डिस्ट्रिक्ट फ़ॉरेस्ट ऑफ़िसर शशि कुमार, डॉ. अनीता सावंत, सीनियर साइन्टिस्ट छत्तीसगढ़ पर्यावरण सरंक्षण रायपुर , भिलाई नगर निगम के महापौर नीरज पाल, लक्ष्मी पति राजू ,पार्षद एवं अध्यक्ष खाद्य,लोक स्वास्थ्य विभाग, भिलाई सेवाकेंद्रो की निदेशिका ब्रह्मकुमारी आशा दीदी ने दीप प्रज्वलन कर कल्पतरुह अभियान का विधिवत उद्घाटन किया। डिस्ट्रिक्ट फ़ॉरेस्ट ऑफ़िसर शशि कुमार ने सभी को वन विभाग एवं शासन की योजनाओं से अवगत करते हुए कहा धरती का तापमान भी बढ़ रहा है, ध्रुवों की बर्फ पिघल रही है पूरे विश्व में प्रकृति की हलचल है इसीलिए हमें आज से और अभी से एक व्यक्ति एक वृक्ष लगाकर उसको संरक्षण देकर बड़ा करना ही है। डॉ. अनीता सावंत सीनियर साइन्टिस्ट छत्तीसगढ़ पर्यावरण सरंक्षण रायपुर ने कहा की आज विश्व बहुत बड़े संकट से गुजर रहा है क्लाइमेट चेंज इसे आज और अभी से रोकना है, प्रकृति का बदला सुनामी केदारनाथ जैसी प्राक्रतिक आपदाओं के रूप में मानव सभ्यता को नुकसान पहुंचा रहा है, मानव सभ्यता का जन्म प्रकृति के सानिध्य में हुआ है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से धरती पर 35त्न वनों का होना आवश्यक है हमारे छत्तीसगढ़ में 44त्न भाग पर वन है जो कि गौरव की बात है लेकिन विश्व के हिसाब से बेहद कम है7 हम भौतिक सुख सुविधाओं और रुपए को खा नही सकते। भिलाई नगर निगम के महापौर नीरज पाल ने कहा की पर्यावरण दिवस मनाना नहीं है बल्कि इसका संरक्षण का दृढ़ संकल्प भी करना है, वृक्षों को लगाते है,सरक्षण के लिए ध्यान नही देते हम। भले वृक्ष कम लगाए ,पर पालना अवश्य करे, आवश्यकता सरक्षण की है।

लक्ष्मी पति राजू ,पार्षद एवं अध्यक्ष खाद्य,लोक स्वास्थ्य विभाग ने कहा की हमें करोना काल में ऑक्सीजन की कमी महसूस हुई थी7 सभी चाहते है हमारा बेटा डॉक्टर बने इंजीनियर बने , लेकिन हमारा लगाया पौधा बड़ा होकर वृक्ष बने सबको छाया और फल दे 7 हर घर मे 2 पेड़ अवश्य लगे वृक्ष न काटे यदि बहुत अधिक आवश्यकता हो तो उसकी एक या दो डाली काटे आपने महापौर से अनुरोध किया जब तक 2 वृक्ष नहीं लगाते उन्हें एन ओ सी न मिले भवन बनाने की 7 टाउन शीप और पटरी पार के तापमान के अंतर को भी आपने बताया ।

भिलाई सेवाकेंद्रो की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा की जगत नियन्ता परमात्मा इस सृष्टि रूपी वृक्ष के बीज है उन्होंने प्रकृति की रचना की मनुष्यों की पालना के लिए, प्रकृति का हम संरक्षण नही वो हमारा संरक्षण करती आ रही है। हमारा मन शांत शीतल रहे तो प्रकृति भी शांत और शीतल रहेगी। अतिथियों द्वारा सभी ब्रह्मा वत्सो को छायादार एवं फलदार पौधे दिए गए जिसे वह अपने घरों के आसपास एव विभिन्न जगहों पर लगाकर कल्पतरुह मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रतिदिन प्राप्त निर्देशों के माध्यम से उस रजिस्टर्ड पौधे की पालना करेंगे और जीवन मूल्यों के लिए ईश्वरीय सौगात भी प्राप्त करेंगे।

चेंबर ऑफ कॉमर्स ने राम गिड़लानी को किया सम्मानित

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। चैम्बर्स ऑफ़कॉमर्स इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी एवं अन्य सदस्यों के वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सम्मान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें राम गिड़लानी चेम्बर ऑफकॉमर्स के सलाहकार को उत्कृष्ट कार्यो में अपना विशेष योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया । जिसके लिए राम गिड़लानी ने पूरी चैम्बर्स ऑफकॉमर्स इंडस्ट्रीज टीम को बहुत बहुत धन्यवाद दिया।

बच्चों के साथ बच्चे बने मुख्यमंत्री

नन्ही बच्ची ने सुनाई एबीसीडी तो मुख्यमंत्री ने बजवायी तालियां

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। आंगनबाड़ी में नन्ही बच्ची ने सुनाई एबीसीडी तो मुख्यमंत्री ने बजवायी तालियां मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का यह अंदाज है कि वो जिनके बीच होते हैं, उन्हीं की तरह अपनी शैली अपना लेते हैं। यही कारण है कि मुख्यमंत्री श्री बघेल हर वर्ग के बीच चहेते हो जाते हैं।

ऐसा ही नजारा आज भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान कांकेर विधानसभा के ग्राम बादल में देखने को मिला। दरअसल मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ग्राम बादल में आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान नन्हे बच्चों को देखकर उनके बीच जा पहुंचे और बच्चों से किसी छोटे बच्चे की तरह ही उनकी शैली में बातचीत करने लगे। मुख्यमंत्री के इस तरह के अंदाज से आंगनबाड़ी में मौजूद बच्चे भी सहज हो गए और खुलकर उनसे बातचीत की।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बच्चों से बातचीत करने के दौरान आंगनबाड़ी में पढ़ाई को लेकर भी जानकारी ले ली। उन्होंने बच्चों से छत्तीसगढ़ी में बातचीत करते हुए पूछा कि आंगनबाड़ी में क्या-क्या पढ़ाया जाता है। इस दौरान एक बच्ची ने बिना झिझक उन्हें एबीसीडी सुनाई।

इसके अलावा बच्चों ने मुख्यमंत्री को कविताएं और गीत भी सुनाए। नन्हें बच्चों को सुनकर मुख्यमंत्री ने खुद ताली बजाते हुए वहां मौजूद लोगों से तालियां बजवायीं और बच्चों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया और संसदीय सचिव श्री शिशुपाल सोरी, अंतागढ़ विधायक श्री अनूप नाग, मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री राजेश तिवारी भी मौजूद थे।

जनहितैषी योजनाओं से बदल रही है गांवों की तस्वीर

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान स्थित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित विकास प्रदर्शनी का आज कोरबा जिले के पंचायत प्रतिनिधियों ग्रामीणों, किसानों सहित हर आयु वर्ग के लोगों ने अवलोकन किया। उन्होंने सुराजी गांव, राजीव गांधी किसान न्याय योजना सहित अन्य जनहितैषी योजनाओं से जमीनी स्तर में हो रहे बदलावों के बारे में बताते हुए कहा की अब गांवों की सूरत बदल रही है।

गोधन न्याय योजना एवम गौठान के निर्माण होने से गांव में ही लोगों को रोजगार मिल रहा है। इससे ग्रामीणों के आय में वृद्धि हुई है और उनके जीवनस्तर में काफी बदलाव हुआ है।

कोरबा जिले कटघोरा ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत रंजना की सरपंच श्रीमती ममता मरकाम ने बताया की 1985 में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी रंजना आय थे। उस दौरान वे गांव वालों से सहृदयतापूर्वक मिले थे। गांव वाले आज भी उनके यादों के सहेजे हुए हैं। उन्होंने बताया की उस समय स्वर्गीय राजीव गांधी ने गांव के एक जलाशय के सौंदर्यीकरण का उद्घाटन भी किया था। कटघोरा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता कंवर एवम उपाध्यक्ष श्री गोविंद सिंह कंवर ने बताया की ग्राम पंचायत अमरपुर को मॉडल गौठान का दर्जा दिया गया है। इस गौठान में 4 स्व-सहायता समूह कार्यरत है, जिसमें 40 महिलाएं काम कर रही हैं। वे यहां पर वर्मी कम्पोस्ट सहित अन्य उत्पादों का निर्माण व विक्रय कर रहीं है। उन्होंने बताया की जनहितैषी योजनाओं से गांवों में खुशहाली आई है। इसी तरह ग्राम पंचायत रलिया की सरपंच श्रीमती वेदी तंवर, ग्राम पंचायत सलोरखा के सरपंच श्री पंच सिंह कंवर एवम ग्राम पंचायत कंदेरी के सरपंच ओमशंकर सिंह कंवर ने भी अपने गांवों में इन योजनाओं के माध्यम से हो रहे सुखद बदलावों के बारे में बताया। प्रदर्शनी का कटघोरा व पाली ब्लाक के आलावा अन्य ब्लाक एवम पंचायत से आए जनप्रतिनिधियों ने देखा और सराहा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शासकीय बालक संप्रेक्षण गृह में रोपे गये पौधे

श्रीकंचपथ न्यूज

राजनांदगांव। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास रेणु प्रकाश द्वारा शासकीय बालक संप्रेक्षण गृह राजनांदगांव में पौधरोपण किया गया। जिसमें गृह के कर्मचारियों तथा गृह में रह रहे विधि के साथ संघर्षरत बालकों ने भी अपनी सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी रेणु प्रकाश ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। यदि हम पर्यावरण की सुरक्षा नहीं करेंगे तो मानव जीवन दूभर हो जाएगा। पेड़ों को लगाने से हमें शुद्ध प्राकृतिक हवा मिलती है, इसके अलावा वर्षा भी अच्छी होती है। पर्यावरण सुरक्षा में पेड़ों का महत्वपूर्ण योगदान है। पेड़ों को काटे नहीं अपतु पेड़ लगाने व पूर्व से लगाये गये पेड़ों की निरंतर देखभाल करने हेतु बालकों एवं कर्मचारियों को प्रेरित किया गया।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी चन्द्रकिशोर लाड़े ने बताया गया कि पर्यावरण सुरक्षा के लिए अपशिष्ट पदार्थो, कूड़ा-कचरे को नहीं जलाते हुए, उससे कम्पोस्ट खाद तैयार कर उसे पेड़ों में डालकर अधिक उत्पादन की सलाह देते हुए पर्यावरण की सुरक्षा करने को कहा गया। इस दौरान शासकीय बालक संप्रेक्षण गृह के परिवीक्षा अधिकारी सरजू कोहली, परामर्शदाता नन्दकुमार साहू, मनोज उके एवं गृह के समस्त कर्मचारी तथा गृह में रह रहे बालकों ने पौधरोपण किया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

स्कूलों में इस साल से योग और नैतिक शिक्षा की पढ़ाई अनिवार्य समझेंगे स्वच्छता के मायने

रायपुर (ए)। स्कूली बच्चों को स्वास्थ्य और सफाई के प्रति जागरूक करने के लिए इसी सत्र से योग और नैतिक शिक्षा की पढ़ाई अनिवार्य होगी। जीवन के मूल्यों को समझाने और योग के प्रति बच्चों को प्रेरित करने के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) ने एक अलग विषय बनाया है। इसमें स्वच्छता और स्व-अनुशासन को लेकर बच्चों को सचेत करने का प्रयास किया गया है। इसके जरिए बच्चे पहली बार कोविड-19 के बारे में एक पाठ अलग से पढ़ेंगे।

कोरोनाकाल में बच्चों में अनुशासन की कमी से जुड़ा फीडबैक मिलने के बाद उन्हें अनुशासित करने के लिए योग की किताब में ही नैतिक शिक्षा को भी स्थान दिया गया है। इसमें बच्चों को अपने माता-पिता, शिक्षकों और बड़ों का आदर करने की सीख दी गई है। इसके अलावा यातायात के नियमों का पालन, राष्ट्रगान, राष्ट्र के प्रति प्रेम जागृत करने, समाज में सभी के प्रति सम्मान और आदर के भाव को रखने की भी सीख दी गई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के बाद एससीईआरटी ने इस विषय पर काम किया है। स्कूलों में योग के लिए कोई अलग से शिक्षक नियुक्त नहीं किया जाएगा। एससीईआरटी के संचालक राजेश सिंह राणा ने बताया कि इस साल हमने बड़ी संख्या में शिक्षकों को योग का प्रशिक्षण दिया है। यही मास्टर ट्रेनर विकासखंड स्तर पर अन्य शिक्षकों को भी योग की बारीकियों से अवगत कराएंगे। अधिकारियों के मुताबिक कक्षा तीसरी से पांचवीं, छठवीं से आठवीं और नौवीं से 12वीं तक तीन स्तरों पर किताबें तैयार की गई हैं। प्रदेश के करीब 50 लाख बच्चों को इसका फायदा मिलेगा। छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी ने कहा, अन्य किताबों के साथ-साथ योग और नैतिक शिक्षा के लिए किताब तैयार की गई है।

तापमान में राहत के लिए करना होगा इंतजार, आगे बढ़ सकता है मानसून

रायपुर (ए)। भीषण गर्मी और तापमान में लगातार बढ़ोतरी की वजह से मानसून के आगे बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक 10 जून के पहले बस्तर क्षेत्र में मानसून के आने की संभावना थी, लेकिन वर्तमान स्थिति के मुताबिक 13 जून तक आ सकता है। राजधानी में 13 के बजाय 16 जून को मानसून दस्तक दे सकता है। मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा ने बताया कि मौसम की गणना में परिवर्तन दर्ज किया जा रहा है। मानसून के आने की स्थिति मौसम में हो रहे लगातार बदलाव पर निर्भर करेगी। विभाग का कहना है कि भीषण गर्मी से राहत के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। एक ऊपरी हवा का चक्रीय घेरा पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर 0.9 किमी. ऊंचाई तक विस्तारित है। साथ ही राजस्थान से गर्म हवा का आना लगातार जारी है। अरब सागर से भी तेज हवा आ रही है। इसकी वजह से दोपहर को भीषण गर्मी पड़ रही है और रात में भी राहत नहीं मिल रही है। तापमान में तेजी से गिरावट की उम्मीद नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे कमी आएगी। सूर्य की स्थिति अभी कर्क रेखा में हैं। प्रदेश में छह जून तो अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने के साथ-साथ गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकती हैं। वर्षा का क्षेत्र मुख्यत: दक्षिणी छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है। तेज गर्मी की वजह से राजधानी के ज्यादातर बाजारों में दोपहर को सड़कें सूनी दिखाई दे रही हैं। राजधानी में लगातार दो दिनों से पारा 44 डिग्री सेल्सियस से अधिक और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। रात में भी गर्म हवा चल रही है।

भेंट-मुलाकात अभियान

सीएम भूपेश बघेल ने किया सी-मार्ट का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान कांकेर जिला मुख्यालय में 49 लाख 96 हजार रुपए की लागत से नवनिर्मित सी-मार्ट का लोकार्पण किया। इसका संचालन कांकेश्वरी महिला कृषि उत्पाद कम्पनी द्वारा किया जाएगा। इसमें 10 बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स सहित एक हजार सदस्य शामिल हैं। सी-मार्ट (छत्तीसगढ़-मार्ट) के नाम से संचालित सुपर मार्केट में स्थानीय स्व-सहायता समूह द्वारा तैयार 52 प्रकार की सामग्री विक्रय के लिए उपलब्ध होंगी। सी-मार्ट के लोकार्पण के अवसर पर प्रभारी मंत्री अनिला भेंड़िया, मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सी-मार्ट में रखे गए महुआ लड्डू, महुआ, चिक्की बार, तिखूर, शेक, ईमली कैंडी, ईमली चटनी, लेमन तुलसी टी, सहित ब्लैक राइस, रागी माल्ट, रागी पाउडर, सहित विभिन्न्ाा प्रकार के स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं का अवलोकन करते हुए समूह की महिलाओं का उत्साहवर्धन किया एवं ऐसे उत्पादों को बढ़ावा देने कहा जिसकी बाजार में मांग ज्यादा है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए सी-मार्ट मील का पत्थर साबित होगा, उत्पादन से लेकर मार्केटिंग की क्षेत्र में महिलाओं द्वारा बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जा रहा है।

सुपर मार्केट की तर्ज पर राज्य के सभी जिला मुख्यालय में राज्य के लघु, कुटीर उद्योगों, स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री के लिए सुपर मार्केट की तर्ज पर सी-मार्ट प्रारंभ किए जा रहे हैं। सी-मार्ट के माध्यम से छत्तीसगढ़ के लघु, कुटीर उद्योगों और परंपरागत शिल्पियों, बुनकरों, दस्तकारों, कुंभकारों के साथ महिला समूहों, गोठान में निर्मित सामग्री के साथ-साथ वन विभाग के उत्पादों की बिक्री भी की जाएगी। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे।

लोगों की सेहत और पर्यावरण को बचाना है मकसद

कांकेर में सी मार्ट का संचालन कर रही कांकेश्वरी महिला कृषि उत्पाद कम्पनी की अध्यक्ष संतोषी साहू ने बताया कि इस सी मार्ट से वर्तमान में कांकेर, नरहरपुर, भानुप्रतापपुर और चारामा के उत्पादक समूह जुड़े हैं। विकास खण्ड में 40-40 उत्पादक समूह जुड़े हैं, जिसमें 30-35 सदस्य हैं। सदस्यों द्वारा वनोपज के साथ ही रागी, कोदो कुटकी आदि लघु धान्य फसल की खरीदी और प्रसंस्करण का कार्य किया जाता है। इसके साथ ही अचार, बड़ी, पापड़, दोना पत्तल निर्माण, साबुन, सिर्फ, टॉयलेट और फ्लश क्लीनर फिनाइल आदि का निर्माण किया जा रहा है। बिहान से जुड़कर बचत के साथ ही व्यवसायिक सोच निर्मित हुई। वहीं इस क्षेत्र की देशी और शुद्ध खानपान को बढ़ावा देने की इच्छा भी जगी। इस क्षेत्र में अभी भी कृषि फसल के लिए रासायनिक खाद का उपयोग बहुतायत में नहीं किया जाता है। पर्यावरण के साथ ही लोगों की सेहत के लिए भी जरूरी है कि शुद्ध खानपान को बढ़ावा दिया जाए। शुद्ध खान-पान को बढ़ावा देने में भी सी-मार्ट की महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कांकेर के मरीन ड्राइव की खूबसूरती और निखरी, ऊपर नीचे रोड पर ड्राइव करते हुए डड़िया तालाब का नजारा होगा शानदार

रायपुर। कांकेर के मरीन ड्राइव कहे जाने वाले डड़िया तालाब की खूबसूरती और निखर गई है। ऊपर नीचे रोड के चारों ओर रायपुर के मरीन ड्राइव (तेलीबांधा तालाब) के तर्ज पर 230 मीटर का पाथवे तैयार किया गया है। पूर्व दिशा में विश्राम पथ, दक्षिण में धर्म पथ, पश्चिम में जनपथ और उत्तर दिशा में न्याय पथ तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर आज इस परिसर का लोकार्पण किया।

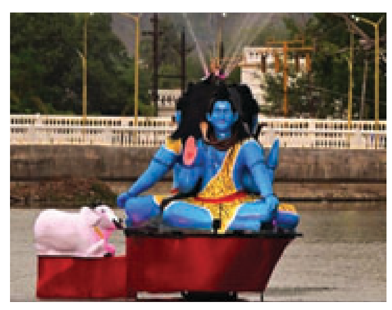

उल्लेखनीय है कि प्रशासन द्वारा 72.67 लाख रूपयों की लागत से यहां 51 ट्यूबलर पोल एलईडी लाईट, गार्डन एवं बैठने की व्यवस्था की गई है जबकि ऊपर-नीचे रोड में 10 लाख रूपये की लागत से 161 मीटर वाल में बस्तर की जनजाति, परंपरा, संस्कृति एवं पर्यटन स्थलों को उकेरा गया है। जिसे देखने प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं।

जनश्रुति है कि सोमवंशी राजाओं के प्राचीन महल के सामने इस तालाब का निर्माण कराया गया था। पुरातन शिलालेख के अवशेषों के अनुसार इस तालाब पर मंदिर का निर्माण सोमवंशी राजा भानुदेव के मंत्री वासुदेव ने प्रस्तर खण्डों से करवाया था। जिसके कालांतर में धराशायी होने पर राजा कोमलदेव के शासन काल में पुन: मंदिर निर्माण कर प्राचीन मूर्तियों को इसमें प्रतिस्थापित कराया गया था। इस तालाब के मध्य में जलहरी युक्त शिवलिंग और नंदी के मूर्ति स्थापित है। यह तालाब कांकेर का सबसे गहरा तालाब कहा जाता है। यहां वर्ष भर पानी रहता है।

जब महिला ने कलेक्टर को कहा बेचारा तो मुख्यमंत्री ने जमकर लगाए ठहाके

रायपुर। कांकेर विधानसभा के बादल ग्राम में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान एक महिला ने ऐसी बात कह दी कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ठहाके मार के हंसने लगे। किरणमयी रजक ने अपने निजी खेत में सागौन के पेड़ लगाए थे, जिसे उनके पड़ोसी ने बिना बताए काट लिया और लकड़ी को रख लिया। इस पर महिला ने कलेक्टर से शिकायत की। कलेक्टर के निर्देश पर वन विभाग ने काटी हुई लकड़ी को जब्त कर लिया। महिला ने भेंट मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री से कहा कि वो उसकी सागौन की लकड़ी दिला दें ताकि वो उससे आर्थिक लाभ ले सके। मुख्यमंत्री ने किरणमयी से कहा कि कलेक्टर को शिकायत की थी क्या? किरणमयी रजक को लगा कि मुख्यमंत्री कलेक्टर को डांटेंगे, इस पर उसने मुख्यमंत्री से कहा कि "साहब इसमें बेचारे कलेक्टर का कोई दोष नहीं है।" ये सुनते ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ठहाके लगाकर हंसने लगे। मुख्यमंत्री के इस रूप को देखकर कार्यक्रम में मौजूद हर व्यक्ति हंसे बिना नहीं रह सका। बाद में मुख्यमंत्री ने महिला को नियम बताते हुए कहा कि जब्त लकड़ी को वन विभाग नीलाम करेगा और उसके पैसे तुम्हें मिल जाएंगे जिससे तुम्हारी समस्या का निदान हो जाएगा।

हमारी सरकार जल, जंगल और जमीन को सहेज रही: सीएम भूपेश बघेल

वनवासियों को भूमि के उपभोग का अधिकार और वनांचल में फलदार वृक्ष लगा रहे हैं

विशेष पिछड़ी जनजाति के 9623 शिक्षित पात्र युवाओं को योग्यता अनुसार मिलेगी शासकीय नौकरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांकेर के पीजी कॉलेज ग्राऊण्ड में आयोजित आदिवासी समाज के सम्मेलन में कहा कि हमारी सरकार जल, जंगल और जमीन को सहेजने का काम कर रही है। वनभूमि पर वर्षों से काबिज लोगों को उस भूमि के उपभोग का अधिकार पट्टा प्रदान करने के साथ ही वनांचल में फलदार पौधे लगाए जाने का काम प्राथमिकता से किया जा रहा है, ताकि लोगों की आर्थिक स्थित बेहतर हो और उनके जीवन में बदलाव आये। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाना उन्हें आगे बढ़ने का अवसर सुलभ कराना हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि बीते साढ़े तीन सालों में छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं और फैसलों से लोगों के जीवन में बदलाव आया है। बस्तर अंचल में शांति और विकास के साथ-साथ लोगों में संपन्नता आई है। दंतेवाड़ा, बीजापुर इलाके के लोगों द्वारा बड़ी संख्या में मोटरसायकिल, ट्रेक्टर सहित अन्य कृषि यंत्रों की खरीदी इस बात का प्रमाण है कि लोगों की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ-साथ आवागमन के लिए सड़कों का निर्माण भी तेजी से कराया जा रहा है। विकास के कार्यों के साथ-साथ हम संस्कृति और परंपरा को भी संरक्षित और संवर्धित कर रहे हैं। बस्तर अंचल में 2400 देवगुड़ियों के जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण की स्वीकृति दी गई है। जिसमें से 1200 देवगुड़ियां बन चुकी है। घोटुल के निर्माण की भी घोषणा की गई है। संस्कृति एवं परंपरा के संरक्षक गायता-पुजारियों को भी हमने सम्मान स्वरूप प्रति वर्ष 7 हजार रूपए की राशि दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर का हमारा आदिवासी समाज ऐसा समाज है, जो देवता के साथ जीता है, रहता है, यही हमारी विशिष्ट पहचान है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कांकेर के गोंडवाना समाज के भवन में किचन सह भोजनालय निर्माण हेतु 49 लाख 44 हजार, गेट निर्माण हेतु 10 लाख 4 हजार रूपए, 2 नग हाई मास्ट लाइट हेतु 10 लाख रूपए, हल्बा समाज के भवन निर्माण हेतु 50 लाख रूपए, जवाहर समाज के भवन हेतु 20 लाख, पारधी समाज, देवार समाज एवं कंडरा समाज के भवन हेतु 20-20 लाख, आमाबेड़ा तहसील अंतागढ़ और कोयलीबेड़ा में स्वामी आत्मानंद स्कूल, दुर्गकोंडल में आदिवासी विश्राम गृह हेतु 50 लाख, दुर्गकोंडल में कन्या माध्यमिक शाला के उन्नयन तथा शासकीय कृषि महाविद्यालय कांकेर का नामकरण स्वर्गीय रामप्रसाद पोटाई के नाम पर किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने विशेष पिछड़ी जनजाति के संबंध में आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा सर्वे किये गए शिक्षित पात्र युवा जिनकी संख्या 9623 है को योग्यतानुसार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी पर भर्ती करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पदोन्नति में आरक्षण संबंधी पिगुंआ समिति का प्रतिवेदन हाईकोर्ट में प्रस्तुत किया गया है। निर्देशानुसार इस पर कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौण खनिज के अधिकार पहले से ही पंचायत को है। इस संबंध में नियम बनाए जा रहे हैं।

पंचकुला हरियाणा में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ को मिला पहला स्वर्ण पदक

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर ज्ञानेश्वरी यादव एवं कांस्य पदक विजेता वेटलिफ्टर राजा भारती को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। छत्तीसगढ़ को इस गेम्स में आज एक स्वर्ण और एक कांस्य सहित दो पदक प्राप्त हुए है। हरियाणा के पंचकुला में खेलो इंडिया यूथ गेम्स में ज्ञानेश्वरी यादव ने 164 किलोग्राम वजन उठाकर अपने पुराने रिकार्ड को ब्रेक करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है। इस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ के राजा भारती ने कुल 211 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक जीता है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ के दोनों वेटलिफ्टर की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए बधाई दी है और कहा है कि दोनों ने वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में पदक जीतकर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ की

बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने 49 किलोग्राम वजन वर्ग में 76 किलोग्राम स्नैच और 88 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क कुल 164 किलोग्राम वजन उठाकर छत्तीसगढ़ को पहला स्वर्ण पदक दिलाया है। वेटलिफ्टर राजा भारती ने पुरुषों के 55 किलोग्राम वजन वर्ग की स्पर्धा में 96 किलोग्राम स्नैच और 115 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क कुल 211 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ राज्य से 13 खेलों के 122 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर ज्ञानेश्वरी यादव छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। इससे पूर्व ज्ञानेश्वरी ने ग्रीस के हेराक्लिओन शहर में 01-10 मई तक आयोजित जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 49 किलो वर्ग के स्नेच, क्लीन एंड जर्क स्पर्धा में 156 किलोग्राम वजन उठाकर तीन रजत पदक जीता है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

क्या आप जानते हैं मां की लोरी बच्चे के लिए है कितनी फायदेमंद?

चंदा है तू मेरा सूरज है तू, चंदा मामा दूर के, लल्ला लल्ला लोरी दूध की कटोरी, निंदिया आ जा री, गुड़िया रानी बिटिया रानी... इस तरह की कितनी ही अनगिनत लोरियां हैं जो आपने भी अपने बचपन में अपनी मां, दादी या नानी से जरूर सुनी होगी। यही लोरियां जब बेटी, मां बनती है तो अपने बच्चे को सुनाती है। जब बच्चा छोटा होता है तो उसे प्यार भरी नींद देने के लिए मांएं सदियों से उसे बड़े प्यार से लोरी सुनाती आ रही हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कोई भी मां बच्चे को यूं ही लोरियां नहीं सुनाती बल्कि इसके पीछे कुछ कारण भी हैं और मां की यह लोरी बच्चे के फायदेमंद भी है। यहां जानें, बच्चे को लोरी सुनाने के ढेरों फायदों के बारे में....

मां और बच्चे के बीच कनेक्शन होता है मजबूर

मां की लोरी की आवाज कानों में पड़ते ही बच्चा कब नींद की आगोश में चला जाता है पता ही नहीं चलता। मां की लोरी सुनते हुए सपनों के संसार में खो जाने का सुखद अहसास बड़े होने के बाद भी आपकी यादों में बसा रहता है। लोरी, मां और बच्चे के लिए बीच एक कनेक्शन की तरह काम करती है और दोनों को करीब लाती है। मां की लोरी की आवाज में एक तरह की कशिश होती है जो बच्चे पर जादू की तरह काम करती है। एक्सपर्ट्स भी यही कहते हैं कि लोरी के रूप में जो आवाज बच्चा लगातार सुनता है, धीरे-धीरे वह उससे खुद को जुड़ा हुआ महसूस करने लगता है।

बच्चे के दिमागी विकास के लिए जरूरी है लोरी

मां की लोरी बच्चे को एक सुखद अहसास कराती है और लोरी सुनने से बच्चे के मस्तिष्क का भी विकास होता है। दरअसल, मां की लोरी बच्चे के ब्रेन के कई हिस्सों को एक साथ उत्तेजित करती है जिससे बच्चे का दिमागी विकास होता है। इसे मेडिकल की भाषा में म्यूजिकल लर्निंग भी कहते हैं। लोरी सुनकर बच्चा अलग-अलग आवाजों के बीच फर्क करना भी सीख जाता है।

लोरी सुनकर खत्म हो जाता है बच्चे का डर

एक्सपर्ट्स की मानें तो मां से लोरी सुनकर बच्चे के अंदर डर और किसी भी तरह के खतरे के प्रति डिफेंस और रेजिस्टेंस यानी प्रतिरोध की भावना विकसित होती है। इससे बच्चे का बौद्धिक और भावनात्मक विकास भी होता है। लोरी सुनने पर बच्चे को मां के साथ होने का एहसास होता है और यही एहसास उसे निडर बनाता है और वह धीरे-धीरे खतरों का सामना करना सीखने लगता है। इस तरह लोरी बच्चे को खुद पर भरोसा करना भी सिखाती है।

लोरी से बच्चे को अच्छी नींद आती है

मांएं लोरी गाती है इसलिए हैं ताकि बच्चे को अच्छी और गहरी नींद आ सके। अगर बच्चा ठीक से सो नहीं पाएगा तो उसे चिड़चिड़ापन और थकान महसूस होने लगेगी। ऐसे में लोरी बच्चों के ऊपर किसी जादू की तरह असर करती है और उन्हें गहरी नींद के आगोश में भेज देती है।

बच्चे की भाषा को मजबूत बनाती है लोरी

लोरी सुनने से बच्चे की भाषा सीखने की क्षमता बढ़ जाती है। दरअसल, जब मां हर दिन एक ही लोरी बच्चे को सोते वक्त सुनाती है तो लोरी में इस्तेमाल किए गए शब्द बच्चे को धीरे-धीरे याद होने लगते हैं और वो बाद में उन शब्दों का सही इस्तेमाल भी करना सीख जाता है। दरअसल, लोरी किसी छोटी कविता जैसी ही होती है, जिसके इस्तेमाल से बच्चे को भाषा सीखने में मदद मिलती है।

मां के लिए भी फायदेमंद है लोरी

अमेरिका स्थित मियामी के फ्रॉस्ट स्कूल ऑफ म्यूजिक के अनुसंधानकर्ताओं की ओर से की गई एक स्टडी की मानें तो बच्चों को लोरी सुनाने से सिर्फ उनकी सेहत ही नहीं बल्कि मां की सेहत भी अच्छी रहती है। डिलिवरी के बाद न्यू मॉम्स जिस तरह के तनाव, पोस्टपार्टम डिप्रेशन और नेगेटिव बातों से जूझ रही होती हैं, लोरी की मदद से इन चीजों से ध्यान हटाने में मदद मिलती है। मां की लोरी सुनकर जब बच्चे मुस्कुराते हैं जो मां के अंदर पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है।

बच्चे ही नहीं बुजुर्गों के लिए लोरी है फायदेमंद

म्यूजिक या लोरी किस तरह से छोटे बच्चों के लिए फायदेमंद है इस बारे में तो काफी रिसर्च हुई है। लेकिन अब वैज्ञानिक इस बात पर फोकस कर रहे हैं कि किस तरह लोरी और म्यूजिक बुजुर्गों के लिए फायदेमंद हो सकता है। दरअसल, बड़ी संख्या में बुजुर्ग नींद की कमी की समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में चेन्नई में हुई एक स्टडी में यह बात सामने आयी है कि लोरी या फिर इसी तरह का कोई रिलैक्सिंग म्यूजिक सुनने से स्ट्रेस हॉर्मोन्स कम होते हैं जिससे नींद अच्छी आती है।

शेरदिल: मेकर्स ने की केके के आखिरी सॉन्ग 'धूप पानी बहने दे' की अनाउंसमेंट, आज रिलीज होगा गाना

श्रीजीत मुखर्जी की फिल्म 'शेरदिल: द पीलीभीत सागा' का ट्रेलर 3 जून को रिलीज हुआ था। अब हाल ही में मेकर्स ने फिल्म के पहले सॉन्ग 'धूप पानी बहने दे' की रिलीज की अनाउंसमेंट की है। यह गाना लेट सिंगर केके ने गाया है, केके का आखिरी गाना आज रिलीज किया जाएगा।

फिल्म क्रिटिक्स और ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्विटर पर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, 'शेरदिल' केके का सॉन्ग कल रिलीज होगा। टी सीरीज और रिलायंस एंटरटेनमेंट अपनी फिल्म का पहला

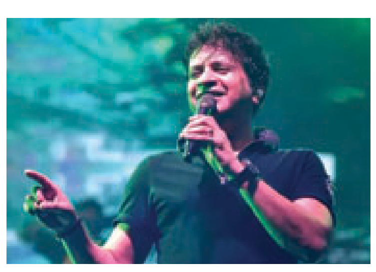

गाना 'धूप पानी बहने दे' आज रिलीज करेंगे। सॉन्ग को केके ने गाया है, गुलजार ने लिखा है और शांतनु मोइत्रा ने कंपोज किया है।

कार्डियक अरेस्ट की वजह से हुई सिंगर की डेथ

कृष्ण कुमार कुन्नथ उर्फ केके का निधन 31 मई को कार्डियक अरेस्ट की वजह से हुआ था। केके कोलकाता में गुरुदास कॉलेज के फेस्ट में परफॉर्म करने पहुंचे थे। परफॉर्मेंस के बाद वह होटल पहुंचे, जहां उनकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें तुरंत पास के कोलकाता मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट हॉस्पिटल ले जाया गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

केके के सुपरहिट सॉन्ग्स

केके ने बॉलीवुड के लिए कई सुपरहिट सॉन्ग्स गाए हैं। चाहें वो 'बचना ए हसीनो' का 'खुदा जाने' हो या फिर 'आशिकी 2' का 'पिया आए ना', केके ने अपनी आवाज से सबके दिलों को छू लिया। इसके अलावा केके ने 'यारो', 'पल', 'कोई कहे कहता रहे', 'मैंने दिल से कहा', 'आवारापन बंजारापन', 'दस बहाने', 'अजब सी' और 'दिल इबादत', 'तू ही मेरी शब है' जैसे तमाम खूबसूरत गाने गाए हैं।

अनुपम खेर के करियर की 525 वीं फिल्म शुरू 4 ऑप्शन दे कर पूछा फिल्म के टाइटल का नाम

67 साल के एक्टर अनुपम खेर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 38 साल पूरे कर चुके हैं। अब वो अपने करियर की 525वीं फिल्म बनाने जा रहे हैं। अनुपम इस फिल्म को लेकर कितना एक्साइटेड हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि, उन्होंने ऑडियंस से ही फिल्म का टाइटल पूछ लिया है। साथ ही उन्होंने फैंस के साथ इसके चार ऑप्शन भी शेयर किए हैं। रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए खेर ने लिखा, 'आज मैं अपने करियर का 525वां प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा हूं। यह एक आम आदमी की जिंदगी से जुड़ी बहुत खूबसूरत कहानी है। इस फिल्म के टाइटल को लेकर हमारे माननीय प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और मुझ में थोड़ी बहस चल रही है। तो हमने डिसाइड किया कि क्यों न आप लोगों से इसका नाम पूछा जाए। चलिए बताइए..द लास्ट सिग्नेचर, सार्थक, निर्णय या दस्तखत।' अनुपम के पोस्ट करते ही इस पर ऑडियंस के जवाब आना भी शुरू हो गए हैं। इसके साथ ही दिग्गज अभिनेता ने हाल ही में अपनी बॉलीवुड जर्नी की एक क्लिप भी इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए लिखा, 'सारांश से द कश्मीर फाइल्स तक। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में मैंने 38 साल पूरे कर लिए। इस दौरान मैंने 520 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स किए। मेरी अभी तक की जर्नी शानदार रही है। भगवान, देश, परिवार, दोस्तों के साथ ही सभी प्रोड्यूसर्स, डायरेक्टर्स, टेक्नीशियन का शुक्रिया। प्यार और शुभकामनाओं के लिए ऑडियंस का भी शुक्रिया। मुझे अपनी प्रार्थनाओं में हमेशा रखें। ओम नमः शिवाय।'

ऑफिस की थकान 15 मिनट में हो जाएगी गायब, रोज करें शवासन

दिनभर की थकान दूर करने के लिए हम ऐसा क्या करें कि तुरंत मानसिक और शारीरिक थकान से मुक्ति पा सकें? इस सवाल के जवाब में हेल्थ और फिटनेस एक्सपर्ट गौतम कहते हैं - शवासन कीजिए। सबसे आसान और बेहद असरदार है शवासन योग।

मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाए

आज लगभग सभी लोग प्रेशर वाली लाइफ जी रहे हैं और मान चुके हैं कि असली जिंदगी यही है। लोग दिन-रात अपने सपनों के पीछे भाग रहे हैं और सपनों को जीने की चाह में जिंदगी जीना भूल रहे हैं। यहीं से हमारे जीवन में मानसिक तनाव हावी होने लगता है।

अटक गया है हमारा ब्रेन

हमारा ब्रेन हर समय ज्यादा से ज्यादा पाने में अटका रहता है। हम हर समय गैजेट्स में उलझे रहते हैं। घर की जरूरतों से लेकर ऑफिस का काम तक सब कुछ टेक्नॉलजी पर निर्भर हो गया है। किसी भी चीज का उपयोग यदि अति में करते हैं तो उसके नकारात्मक प्रभाव भी हमें देखने को मिलते हैं। यही वजह है कि आज गैजेट्स और टेक्नॉलजी हमें मानसिक रूप से बीमार बना रहे हैं।

फोकस की कमी दूर करे

सिटिंग और कंप्यूटर बेस्ड जब होने के कारण हमें मेंटल रेस्ट नहीं मिल पाता है। यही वजह है कि हम विचलित रहते हैं, किसी भी एक काम पर फोकस नहीं र ह पाते, ऐंग्जाइटी बढ़ रही है। इन सभी तरह की दिक्कतों से निजात दिलाने में शवासन बहुत अधिक मददगार है।

लाइफ में बैलंस बढ़ाता है

मानसिक रूप से थके और बेचैन रहने के कारण हम अपनी लाइफ को बैलंस नहीं कर पाते हैं। लेकिन जिंदगी को बैलंस करना जरूरी है ताकि स्ट्रेस से बचे रहें। इसमें शवासन हमारी बॉडी के लिए बहुत अधिक लाभकारी रहता है। क्योंकि शवासन की मुद्रा में हमारा पूरा फोकस अपनी श्वास पर होता है, जिस कारण हमें मानसिक शांति मिलती है।

प्राकृतिक योग है शवासन

मेंटल फिजिकल और इमोशनल लेवल पर बैलंस के लिए योग बहुत अधिक आसान और इफेक्टिव तरीका है। खासतौर पर शवासन। शवासन की उत्पत्ति ही इसलिए हुई ताकि हमें रेस्ट मिल सके। प्राकृतिक रूप से हम सोते हुए भी इस अवस्था में ही होते हैं। यह मुद्रा हमारे शरीर की हर नर्व और सेल को प्रभावित करती है।

शरीर को रिलैक्स करे

शरीर को रिलैक्स करने के लिए शवासन इसलिए जरूरी है क्योंकि यह एक ऑटो सजेशन प्रॉसेस है, जब हम अपने आपको निर्देश देते हैं कि हमें शांत होना है। ऑटो सजेशन एक पॉवरफुल प्रॉसेस है जो बिल्कुल मेडिटेशन की तरह काम करती है। शवासन हमारी शारीरिक थकान उतारता है। गर्दन दर्द, सिरदर्द, ऐंग्जाइटी, कमर दर्द में राहत देता है।

शवासन करने का तरीका

शवासन करने के लिए आप किसी शांत जगह पर पीठ के बल सीधे लेट जाएं। इस दौरान आपके पैरों और हाथों को शरीर से उतनी दूरी पर रखें, जितनी दूरी पर आप सहज महसूस करें। आपकी हथेलियां आसमान की तरफ खुली हुई और आंखें बंद होनी चाहिए।

श्वांस पर रहे ध्यान केंद्रित

शवासन के दौरान हमें सबसे अधिक लाभ तभी मिलता है, जब हम श्वांस को सहज बनाए रखते हैं। शवासन के दौरान धीरे-धीरे गहरी सांस लें और धीरे-धीरे छोड़ें। आपका ध्यान पूरी तरह अपनी श्वांस पर होना चाहिए। इस दौरान अपने शरीर को एकदम ढीला छोड़कर रखें।

हर रोज कितनी देर करें

हर रोज 10 से 15 मिनट किसी भी वक्त हम शवासन कर सकते हैं। यह कहिए कि जब भी आपको थकान महसूस हो आप इस योग मुद्रा को 10 से 15 मिनट के लिए कर लीजिए आपकी मानसिक और शारीरिक थकान तुरंत उतर जाएगी।

कैसे करता है काम?

शवासन हमारे शरीर की सभी मसल्स को शांत करता है। इस दौरान हम सहज अवस्था में होते हैं, जिससे पूरे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है। गहरी सांस लेने से बॉडी में ऑक्सीजन की मात्रा अधिक पहुंचती है, जिससे ब्लड में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और ब्रेन सहित पूरी बॉडी तनाव मुक्त होती है।

फिजिकल लेवल पर इसके फायदे

जब भी बहुत अधिक थकान महसूस होती है तो हम चाय पीने या स्मोक करने चले जाते हैं। यह हमें नुकसान पहुंचाता है। अगर उस वक्त हम शवासन करें तो हमें बहुत अधिक फायदा मिलेगा। अगर आपके ऑफिस में ऐसी कोई जगह नही है जहां आप इस आसन को कर सकें तो खुली और शांत जगह में बैठकर गहरी सांसें लें।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Pankaj Mobile
Tata Play Connection Available
All Accessories & General Electricals Items
All Types Recharge & DTH, FastTag Recharge
Pankaj Umbre-
Mo.- 9993240894, 7987806710
Shop No.- 4, Jugnu Dera Complex, Adarsh Nagar, Potia Road, Durg (C.G.)

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XIth XIIth B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

कलश ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषण के निर्माता एवं विक्रेता
हमारे यहां उचित ब्याज पर गिरवी रखी जाती है।
देवांगन होटल के बाजू में, मुक्तिधाम रोड, रामनगर, भिलाई, जिला-दुर्ग
9074621825

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण कर पर्यावरण दिवस मनाया गया

राजनांदगांव। ग्राम पंचायत खैरा रवेली में राजीव गांधी युवा मितान क्लब के तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हुए वृक्षारोपण कर सुरक्षा का संकल्प लेकर गौठान में वृक्षारोपण किया गया । इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों के द्वारा पर्यावरण के संरक्षण व संवर्धन हेतु शपथ भी लिया गया। साथ ही भविष्य में ग्राम के युवाओं के साथ मिलकर युवा मितान क्लब के माध्यम से अधिक से अधिक पौधारोपण कर उसकी सुरक्षा और देख-रेख का संकल्प भी लिया गया। राजीव गांधी युवा मितान क्लब के अध्यक्ष चैतराम साहू ने बताया कि यहा दिन मानव और प्रकृति के बीच सामजस्य को और अधिक गहरा करने के लिए प्रेरित करता है। निरंतर प्रकृति बेतरतीब दोहन ने पर्यावरण के साथ साथ जीवन के लिए भी संकट पैदा कर दिया है अब समय है कि अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए हम सजिन्दगी से पर्यावरण को बचाने की दिशा में सोचे और काम करें अन्यथा आने वाले पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा मिलना भी दुष्कर हो जाएगा।

दिव्यांग ग्रामीण को मिला बैटरी चालित ट्राय साइकिल

जगदलपुर। विधायक एवं संसदीय सचिव (नगरीय प्रशासन एवं श्रम विभाग)रेखचंद जैन ने नियानार ग्राम पंचायत के लामनी जामगुडा पारा निवासी 80 प्रतिशत दिव्यांग ग्रामीण मोनू पिता सोभा उम्र 50 वर्ष को आज बैटरी चालित ट्राय साइकिल प्रदान किया गया। दिव्यांग ग्रामीण मोनू ने विधायक व संसदीय सचिव रेखचंद जैन से बैटरी चालित ट्राय साइकिल प्रदान करने का निवेदन किया था, जिसपर विधायक ने उन्हें तत्काल बैटरी चलित ट्राय साइकिल प्रदान किया है। दिव्यांग मोनू ने मुख्यमंत्री, विधायक जगदलपुर एवं समाज कल्याण विभाग की मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया का आभार व्यक्त किया। विधायक जगदलपुर व संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने कहा कि हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील हैं एवं उनके दिशा निर्देश पर लगातार दिव्यांगों को बैटरी चालित ट्राय साइकिल प्रदान की जा रही है, जिससे दिव्यांगों का जीवन सुखमय एवं सुगम हो गया है।

थोड़ी गर्मी बढ़ने व बारिश कम होने से फर्क नही पड़ने वाली सोच को छोड़ना होगा- सिंहदेव

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टीएस सिंहदेव, श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष शफी अहमद, महापौर डॉ अजय तिर्की सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण किया।

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन नगर निगम अम्बिकापुर द्वारा गंगापुर के बाबा तुलसीदास चौक के पास किया गया था। इस अवसर पर जनसहभागिता से अम्बिकापुर शहर को फिर से हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंहदेव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वैश्विक स्तर पर चिंतन होने लगी है ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की बात हो रही है ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण संरक्षण की विकराल समस्या न हो। हमारे पूर्वजों और कुछ हद तक हम लोग भी गर्मी बढ़ने और बारिश कम होने की स्थिति को सामान्य मानकर चलते है लेकिन इस सोच को आज त्यागना होगा। जंगलो के अंधाधुंध दोहन से साल दर साल गर्मी बढ़ती जा रही है। पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि हर खाली जगह पर पौधे लगाए जाएं और पौधे लगाने के साथ ही उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी होगी।

शहरों में सीमेंट-कंक्रीट के उपयोग बढ़ रहे है। लोग एक-एक इंच जमीन पर निर्माण कराना चाहते है जिससे पेड़ लगाने के लिए जगह कम होते जा रही है। उन्होंने कहा कि प्लाटिंग की जमीन में निर्माण करने और खाली जगह छोड़ने के नियम है जिसका पालन करना होगा। गोठनो के खाली जमीन तथा ग्रामीण क्षेत्रो में खेत की मेड पर भी ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार नगर निगम अम्बिकापुर ने एसएलआरएम के माध्यम से स्वच्छता अभियान शुरू कर पूरे देश मे उदाहरण बना है उसी प्रकार शहर में हरियाली बढ़ाने के लिए भी जन सहभागिता की मिसाल पेश करनी होगी।

श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री शफी अहमद ने कहा कि अम्बिकापुर नगर निगम क्षेत्र में वृक्षारोपण हर साल हो रहा है लेकिन लक्ष्य से अभी भी पीछे है। शहरी क्षेत्र में 20 प्रतिशत होनी चाहिए लेकिन अभी अम्बिकापुर में केवल 4 प्रतिशत ही हरियाली है। हरियाली प्रतिशत को बढ़ाने के लिए जनसहभगिता जरूरी है जिसमे जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठन एसरकारी, गैर सरकारी संगठन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से शहर में हरियाली बढ़ेगी और अम्बिकापुर को ग्रीन सिटी के रूप से जाना जाएगा। महापौर डॉ अजय तिर्की ने कहा कि पर्यावरण का प्राणियों के लिए क्या महत्व है इसे आसानी से समझा जा सकता है। पर्यावरण असंतुलन से तापमान में वृद्धि को रोकने के लिये वृक्षारोपण जरूरी है। पेड़-पौधे होने से शहर की वातारण और आबो-हवा भी स्वच्छ रहता है।

गोधन न्याय योजना से खुले प्रदेश की समृद्धि के नए रास्ते : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि गोधन न्याय योजना पूरे राज्य की समृद्धि के नये रास्ते खोल रही है। यह योजना हमारे गांवों में खुशहाली लेकर आई है। हमें इस योजना को और ज्यादा ताकत के साथ आगे बढ़ाना है। मुख्यमंत्री ने आज कांकेर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को 15 करोड़ 37 लाख रूपए की राशि का अंतरण करते हुए इस आशय के विचार प्रकट किए।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसानों, आदिवासियों, मजदूरों और गरीबों को सीधे आर्थिक लाभ पहुंचाने वाली हमारी हर योजना की राशि का भुगतान हमने हमेशा समय पर किया है। चाहे वह राजीव गांधी किसान न्याय योजना की बात हो, चाहे राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना की बात हो या फिर चाहे गोधन न्याय योजना की बात हो। कोरोना काल में भी हमने ये सिलसिला टूटने नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि इस समय मैं पूरे प्रदेश का लगातार दौरा कर रहा हूं। भेंट मुलाकात कार्यक्रम पिछले महीने की 04 तारीख से शुरु हुआ था, 05 मई को मैं बलरामपुर जिले के राजपुर में था, गोधन न्याय योजना की राशि की किश्त का ऑनलाइन वितरण मैंने वहीं से किया था। इसके बाद 21 मई को स्वर्गीय राजीव गांधी जी के शहादत दिवस पर एक और किश्त का भुगतान रायपुर से किया गया। आज 05 जून है, आज मैं कांकर में हूं, योजना की राशि की नयी किश्त का वितरण आज यहीं से आप लोगों को कर रहा हूँ।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में गोधन न्याय योजना के हितग्राहियों को ऑनलाइन 15 करोड़ 37 लाख रुपए की राशि का अंतरण किया। इसमें 3 करोड़ 36 लाख रुपए गोबर खरीदी की, और 12 करोड़ 01 लाख रुपए गोठान समितियों और स्व सहायता समूहों के लाभांश की राशि शामिल है। इसमें से गौठान समितियों को 7.23 करोड़ और महिला समूहों को 4.78 करोड़ रूपए की लाभांश राशि का भुगतान किया गया। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कृषि मंत्री श्री रविंद्र चौबे, कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह, गोधन न्याय मिशन के प्रबंध संचालक डॉ. फक्रीर अयाज भाई तम्बोली, कृषि विभाग के संचालक श्री यशवंत कुमार, संचालक उद्यानिकी श्री माथेश्वरन व्ही., संचालक पशुधन श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी कार्यक्रम से वर्चुअल रूप से जुड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मैं अभी तक जहां भी गया हूं, वहां गोधन न्याय योजना को लेकर हमारे पशु-पालक भाईयों, किसानों, स्व सहायता समूहों और गौठान समितियों में अच्छा उत्साह नजर आ रहा है। इस योजना से हमारे ग्रामीण भाईयों की आय बढ़ने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। हमारी माताओं-बहनों को नयी आर्थिक ताकत मिली है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम से वर्चुअल रूप से जुड़े कृषि मंत्री श्री रविन्द्र चौबे से प्रदेश में रासायनिक खाद की आवश्यकता और आपूर्ति की जानकारी ली। कृषि मंत्री ने बताया कि प्रदेश में मांग के विरूद्ध मात्र 44 प्रतिशत रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रासायनिक खाद की कम आपूर्ति को देखते हुए वर्मी खाद को बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसानों की मांग के अनुरूप उन्हें रासायनिक खाद उपलब्ध कराया जाए। यदि व्यवस्था नहीं होती है तो किसानों को वर्मी कम्पोस्ट उपलब्ध करायी जाए जिससे पैदावार प्रभावित न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साल 16 से 31 मई 2021 की अवधि में 63 लाख रुपए की गोबर खरीदी की गई थी। जबकि इस साल के मई माह की इसी अवधि के लिए गोबर क्रय के एवज में 3.36 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा रहा है। इस तरह इस अवधि में गोबर खरीदी की राशि में 425 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जीवन की सुरक्षा और खुशहाल भविष्य के लिए पर्यावरण संरक्षण जरूरी : पर्यावरण मंत्री अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने विरासत में स्वस्थ्य और स्वच्छ वातावरण सौंपा है। हम सब का दायित्व है कि उसे और बेहतर बनाते हुए भावी पीढ़ी को सौंपें। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए प्राकृतिक संपदाओं का आवश्यकतानुसार और विवेकपूर्ण उपयोग पर विशेष बल दिया।

पर्यावरण मंत्री श्री अकबर ने छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'पृथ्वी अनमोल है प्रकृति संग संतुलन बनायें' विषय पर आधारित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रकृति और जीवन के बीच गहरा संबंध होता है। इसके संरक्षण तथा संवर्धन में ही जीवन की सुरक्षा और हमारे भविष्य की खुशहाली निर्भर है। वर्तमान में पर्यावरण का संरक्षण व प्रदूषण पर रोकथाम अत्यंत आवश्यक है और इसमें हम सबकी भागीदारी होनी चाहिए।

पर्यावरण मंत्री श्री अकबर ने आगे कहा कि हम प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखकर ही चिरस्थायी विकास कर सकते है। राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर पर्यावरण मंत्री श्री अकबर ने छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ विधायक एवं पूर्व मंत्री सत्यनाराण शर्मा ने कहा कि प्रकृति हमारी धरोहर है और इसे बचाने के लिये पूरे विश्व को एक जुट हो कर सामूहिक प्रयास करना होगा। कार्यक्रम को प्रमुख वक्ता डॉ.के. सुब्रमणियम ने कहा कि वन और पर्यावरण प्रकृति प्रदत्त एक अमूल्य उपहार है। वन हजारों किस्म के प्रजातियों के जीव-जन्तुओं के लिए संतुलित वातावरण उपलब्ध कराते हैं। इसके संरक्षण और संवर्धन पर ही हम सबकी भलाई निहित है।

स्वागत भाषण देते हुए मण्डल के सदस्य सचिव श्री आर.पी. तिवारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एक सामाजिक एवं नैतिक दायित्व है। हर नागरिक को इसमें भागीदार बनना होगा। श्री तिवारी ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा राज्य शासन के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सतत् कार्यवाही की जा रही है, जिसमें छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहर रायपुर, दुर्ग-भिलाई, कोरबा एवं रायगढ़ में सतत् परिवेशीय वायु गुणवत्ता मापन हेतु मॉनिटरिंग स्टेशन स्थापित किया जा रहा है। साथ ही राज्य के 05 प्रमुख नदियों महानदी, शिवनाथ, खारून, हसदेव एवं केलो नदी के जल गुणवत्ता के सतत् मापन हेतु मॉनिटरिंग स्टेशन के स्थापना का कार्य किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा सेक्टर-19 अटल नगर, नवा रायपुर में आधुनिक केन्द्रीय पर्यावरण प्रयोगशाला का स्थापना कार्य प्रगति पर है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कल्पतरु डिजिटल एप की हुई ऑनलाइन लॉन्चिंग

प्रकृति व पर्यावरण को संरक्षित करने की अनूठी पहल : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। कृषि एवं ग्राम विकास विभाग और आध्यात्मिक संस्था प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आज विश्व पर्यावरण दिवस पर कलेक्टर श्री पी.एस.एल्मा ने अनूठा वृक्षारोपण अभियान कल्पतरू का डिजिटल शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने अपने-अपने मोबाइल में कल्पतरू एप डाउनलोड कर एक-एक पौधा रजिस्टर किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित विधायक धमतरी श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि संस्थान द्वारा पर्यावरण को बचाने के लिए कल्पतरु एप के जरिए पूरे भारत में 40 लाख पौधे लगाने का जो संकल्प लिया गया है वह बहुत प्रशंसनीय है। कल्पतरू एप की ऑनलाइन लॉन्चिंग पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर श्री पी.एस.एल्मा ने संस्थान द्वारा चलाये जाने वाले अभियान की प्रशंसा की। उन्होंने पूरे भारत में प्रति व्यक्ति एक पौधा के हिसाब से 40 लाख पौधे लगाए जाने की पहल को सराहनीय प्रयास बताया। साथ ही प्रत्येक व्यक्ति को किसी न किसी माध्यम से प्रकृति और पर्यावरण को, संरक्षित करने, बचाए रखने के लिए आगे बढ़ने का आव्हान किया।

कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए ब्रह्माकुमारी दीदी प्राजक्ता ने बताया कि सभी को एक ही पौधा लगाना है, जिसे कल्पतरू एप के जरिये मोबाइल में रजिस्टर करना है। साथ ही 75 दिनों तक प्रतिदिन उनकी रखरखाव की जानकारी ली जाएगी और जीवन मूल्य बढ़ाने के लिए इनाम के रूप में नैतिक मूल्य दिया जायेगा। ब्रह्माकुमारी सरिता दीदी ने कहा कि संस्था द्वारा आज 50वां पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है और आज से 25 अगस्त तक 75 दिन ये वृक्षारोपण अभियान चलाया जायेगा। इस प्रकार पूरे भारत वर्ष में एक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसका भरण-पोषण करेगा, बच्चे की तरह गोद लेकर उसका संरक्षण करेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों ने गमले में पौधा लगाकर सभी को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया।

बस्तर की गोदना कला को संरक्षित करने दिया जा रहा है प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जिला प्रशासन की विशेष पहल पर बस्तर की कला एवं संस्कृति को संरक्षित करने युवा-युवतियों को आसना स्थित बादल एकेडमी में गोदना कला का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गोदना कला भी बस्तर की संस्कृति की विशेष पहचान है। गोदना कला को संरक्षित करने की उद्देश्य से बस्तर जिला प्रशासन की पहल पर गोदना कला प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। आसना स्थित बादल एकेडमी में गोदना विशेषज्ञ द्वारा युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बादल में 06 जून तक आयोजित इस प्रशिक्षण में बस्तर जिले के सभी विकासखण्डों के युवा-युवतियों प्रशिक्षण का लाभ ले रहे हैं।

बस्तर की गोदना कला को पूरे देश में जाना जाता है, आदिवासी समुदाय के लोग इसे अपने शरीर के विभिन्न अंगों में छपवाते है। समय के साथ इस कला को लोग भूलाते जा रहे हैं। गोदना कला को संरक्षित करने प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में 20 युवक-युवती भाग ले कर गोदना कला सिख रहे है। बस्तर जिला प्रशासन की पहल पर शुरू किए गए गोदना कला प्रशिक्षण से युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिल सकेगा। प्रशिक्षण के उपरांत युवा बस्तर ट्राइबल टैटू स्टाल लगा कर आमदनी प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए चित्रकोट में विशेष सेटअप भी तैयार किया जाएगा।

गोदना कला विशेषज्ञ शैली ने बताया कि बस्तर के विभिन्न हिस्सों में कई तरह की कलाएं विद्यमान है। इसी में एक विशेष कला है गोदना। आज यह कला विलुप्त होने के कगार में है, जिसे प्रशिक्षण के माध्यम से संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में कई तरह के डिजाइन बनाना भी सिखाया जा रहा है।

अरिहंत इंटेरियर्स
वॉलपेपर, वुडन फ्लोरिंग, पीवीसी फ्लोरिंग
विंडोव ब्लाइंड्स, एक्रीलिक रेलिंग, आर्टिफिसियल ग्रास, पीवीसी पैनल, ग्लास फिल्म
शॉप नं.-23, नेहरू रोड, सुपेला, भिलाई, 9584400900

YOGESH COMPUTER Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware, CCTV Camera, Networking, Software
Yogesh Sirame Mo-9893342971, 7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

GREEN COMPUTER
Sales, Services, Repairs
Laptop Repairing, Printer, Desktop
7/2, Dakshin Gangotri, Supela, Bhilai
0788-4083385

Y Fitness
Gym Servicing; Gym Equipment & Accessories Available; Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/- Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
कवर ही कवर
I-PHone,Samsung, MI, Oppo, Vivo, Nokia, HTC, Blue tooth Charger, Power Bank, Ear Phone, BT. Speakar
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

खुद को न्यूज चैनल का मार्केटिंग मैनेजर बताकर 76 लाख की ठगी

रायपुर (ए)। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एक युवक में खुद को निजी चैनल के एडवरटाइजिंग मार्केटिंग मैनेजर बताकर 76 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दिया गया। आरोपित अनिल नायर एक करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में जेल में बंद है। यह ठगी का दूसरा मामला दर्ज किया गया है। तेलीबांधा थाना पुलिस ने मिली जानकारी के अनुसार कारोबारी पदम जैन से जुलाई 2019 में अनिल नायर खुद को एक न्यूज चैनल का एडवरटाइजिंग मार्केटिंग मैनेजर बताया। अनिल एडवरटाइजिंग में पैसा लगाने से 15 फीसद कमीशन, प्राफिट और जीएसटी जैसे फायदे का लालच दिया। फर्जी दस्तावेज भी दिखाए ताकि कारोबारी को उस पर विश्वास हो जाए। उन फर्जी दस्तावेज को कारोबारी से 76 लाख लेकर अनिल ने सौंप दिया। बाद में कारोबारी को पता चला कि आरोपित न्यूज चैनल से जुड़ा हुआ नहीं है। दस्तावेज भी फर्जी हैं। तो उसने रुपये वापस देने की मांग की। अनिल ने 30 लाख रुपये दे दिए और बाकि की रकम लौटाने से इंकार कर दिया।

इस मामले में आरोपी अनिल नायर कुछ महीने पहले भी धोखाधड़ी के ऐसे ही मामले में गिरफ्तार हो चुका है। रायपुर शहर के रियल एस्टेट कारोबारी उधम सिंह गरचा ने पुलिस को बताया था कि अनिल ने न्यूज चैनल में पैसा लगाने के नाम पर उधम सिंह गरजा से भी 1 करोड़ रुपए लिए थे

साइकिल गोदाम में लगी आग, लाखों का सामान जलकर खाक

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के स्टेशन चौक तिल्दा के पास स्थित गोपाल साइकिल स्टोर के गोदाम में अचानक आग लग गई। इससे पूरा सामान जलकर खाक हो गया। साइकिल के टायर की वजह से आग तेजी से फैल गई।

मिली जानकारी के अनुसार साइकिल स्टोर में घर के बीच में स्थित गोदाम में शार्ट सर्किट से आग लगी, आग पूरे गोदाम में फैल गई। यहीं पर दुकान व निवास भी है, साथ ही आसपास घनी आबादी व कई अन्य व्यापारियों के भी प्रतिष्ठान व मकान स्थित हैं। आग धीरे-धीरे पूरे गोदाम में फैल गई व धुआं का गुबार उठने लगा। मौके पर आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया। आग लगने की वजह का पता नहीं चल सका है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां यहां पहुंचीं और आग पर काबू पाया गया। इस बीच गोदाम में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई है।

लिफ्ट मांगना पड़ा महंगा, युवक हुआ लूट का शिकार

रायपुर (ए)। रायपुर के सरस्वती नगर थाना से एक किलोमीटर दूरी पर दो बदमाशों ने लिफ्ट मांगकर साथ जा रहे एक युवक को लूट लिया। पीड़ित हीरापुर चौक शीतला मंदिर निवासी गौरव सिंघल की शिकायत पर पुलिस मामला दर्जकर लुटेरों की तलाश कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार अग्रवाल सिक्योर लाजस्टिक प्राइवेट लिमिटेड तेलघानी नाका में कंप्यूटर आपरेटर के पद पर कार्यरत गौरव दो जून को काम खत्म कर दोपहर साढ़े तीन बजे अपनी स्कूटी से घर जा रहा था। जगन्नाथ चौक के पास स्कूटी खराब हो गई। दिशा काजेल की तरफसे आ रहे मोटरसाइकिल चालक से उसने लिफ्ट मांगी। मोटरसाइकिल पर दो लड़के सवार थे। उन्होंने गौरव को गाड़ी पर बैठा लिया। फिर मोहबा बाजार मार्ग पर सूनी जगह में लेजाकर जेब से मोबाइल फोन और पर्स से एक हजार रुपये लूट कर भाग निकले।

छत्तीसगढ़ पुलिस में भर्ती के लिए होगा शारीरिक परीक्षण

अफसरों ने ठगों से किया सावधान

बिलासपुर (ए)। पुलिस विभाग में निकली एसआई, सूबेदार और प्लाटून कमांडर की सीधी भर्ती की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसलिए ठग भी सक्रिय हो गए हैं। सेटिंग के जरिए नौकरी लगवाने का झांसा देकर लाखों रुपये ठगे जा सकते हैं। इसलिए अफसरों ने पुलिस की सीधी भर्ती में शामिल उम्मीदवारों को सावधान रहने की अपील की है।

सोमवार की सुबह सात बजे से सकरी स्थित दूसरी बटालियन में बिलासपुर रेंज के प्रतिभागियों की शारीरिक नाप-जोख और दस्तावेजों का परीक्षण किया जाएगा। इसके अलावा पुलिस ने यह भी अपील की है कि यह भर्ती पूरी तरह से पारदर्शी है। इसलिए किसी के भी झांसे में ना आएं और कोई पैसे मांगता है तो तुरंत इसकी शिकायत करें।

एएसपी उमेश कश्यप ने बताया कि पुलिस विभाग में होने वाली एसआइ, प्लाटून कमांडर और सूबेदार की भर्ती प्रक्रिया छह जून से शुरू हो रही है। इसके लिए शनिवार को पुलिस अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें सुरक्षा से लेकर अन्य व्यवस्था के संबंध में चर्चा की गई। इसके अलावा बटालियन के ग्राउंड का भी निरीक्षण किया गया।

भर्ती उप समिति के अध्यक्ष व जांजगीर-चाम्पा एसपी विजय अग्रवाल, पर्यवेक्षक अधिकारी लाल उमेन्द्र सिंह ने बैठक ली और ग्राउंड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को सुबह 7 बजे हर हाल में गेट नम्बर 1 में रिपोर्टिंग करनी होगी। उम्मीदवार के अलावा वहां किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा, मोबाइल व अन्य सामान ले जाना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। प्रतिभागी अपने साथ मूल दस्तावेज, उसकी फोटोकापी, अपनी दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर आएं। प्रक्रिया पूरी होने से पहले किसी भी प्रतिभागी को वहां से जाने की अनुमति नहीं होगी।

नौकरी लगाने के नाम पर कर सकता है ठगी

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उम्मीदवारों को ठग कभी भी अपने झांसे में फंसाने के प्रयास कर सकता है। इसलिए किसी से नोकरी के सम्बंध में लेनदेन की बात न करें। ऐसी कोई फोन काल आए तो पुलिस को तत्काल सूचना दें, ताकि ठग के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

एक ही रात छह मंदिरों में चोरी दानपेटी के अलावा मुकुट नयन और घंटी ले गया चोर

बिलासपुर (ए)। तखतपुर के टिकरीपारा क्षेत्र में शनिवार की रात चोर ने छह मंदिरों से मुकुट, नयन, घंटी, त्रिशूल और दानपेटी समेत अन्य सामान पार कर दिया। सुबह इसकी जानकारी श्रद्धालुओं को हुई। एक साथ छह मंदिरों में हुई चोरी से पुलिस के भी होश उड़ गए। इस बीच एक मंदिर के बाहर मिले चप्पलों से मिले सुराग पर पुलिस ने आरोपित को खोज निकाला। उसके कब्जे से चोरी गए नयन और त्रिशूल को जब्त कर लिया है।

तखतपुर थाना प्रभारी सुम्मत साहू ने बताया कि रविवार की सुबह व्याख्याता जितेंद्र शुक्ला ने चोरी की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि टिकरीपारा स्थित माता शीतला समेत आसपास के मंदिरों में चोरी हुई है। चोरों ने माता शीतला मंदिर से चांदी का मुकुट, नयन, घंटी, शिव मंदिर से घंटी और दानपेटी, पीपल चौक स्थित मंदिर से नयन, छोटे मंदिर से नाग और त्रिशूल पार कर दिया है। उन्होंने सबसे पहले इसकी जानकारी डायल 112 को दी। इसके बाद मामले की सूचना थाने में दी गई। इस पर पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान एक मंदिर के बाहर चप्पल पड़ा था।

चप्पल के आधार पर पुलिस जांच कर रही थी। इसके लिए डाग स्क्वायड को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने सबसे पहले एक युवक को पकड़ा। उसने बताया कि शनिवार की शाम वह अपने दोस्त के साथ खाना खाने के लिए गया था। इसके बाद उसकी चप्पल को आजाद नगर निवासी जुगर सूर्यवंशी मांगकर ले गया था। इस पर पुलिस ने जुगर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पहले वह पुलिस को गुमराह कर रहा था। कड़ाई करने पर उसने चोरी कर मंदिर के सामान को सोसायटी के पास छिपाकर रखने की जानकारी दी। पुलिस ने चोरी का सामान जब्त कर आरोपित युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

दुष्कर्म पीड़िता और गवाह का बयान दर्ज किए बिना ही पुलिस ने पेश कर दिया चालान

बिलासपुर (ए)। सकरी पुलिस ने दुष्कर्म पीड़िता और गवाह का बयान दर्ज नहीं किया है और आधा-अधूरा चालान बनाकर कोर्ट में पेश कर दिया है। लोक अभियोजक ने इसकी शिकायत कलेक्टर डॉ. सारांश मित्तर से की है। साथ ही जिम्मेदारों पर कार्रवाई के साथ ही पुलिस द्वारा दुष्कर्म के आरोपित को बचाने के लिए लापरवाही बरतने की बात कही गई है।

दो दिन पहले ही दुष्कर्म के मामले में चालान पेश करने और एएसआई द्वारा चालान जल्द पेश करने के मामले में घूस लेते हुए वीडियो सामने आया था। इससे पुलिस विभाग का जमकर किरकिरी हुई है। अब सकरी थाना में ही दूसरी लापरवाही का मामला सामने आया है। शिकायत में बताया गया है कि पुलिस ने न तो दुष्कर्म पीड़िता का बयान लिया और न ही गवाहों का बयान दर्ज किया गया है। गंभीर बात यह कि घटना स्थल का नजरी नक्शा भी नहीं बनवाया गया है और कोर्ट में चालान पेश कर दिया गया है।

इस तरह के गंभीर मामलों में पुलिस की ऐसी लापरवाही समझ से परे है। साल 2020 में सकरी थाना में पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म के तहत अपराध दर्ज किया था। एक युवती ने रमेश कुमार पटेल पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने आरोपित रमेश के खिलाफ धारा 376 के तहत जुर्म दर्ज किया। इस प्रकरण की विशेष न्यायाधीश न्यायालय एटीएफ पीठासीन अधिकारी की कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

18 मई को पेशी थी। इसके बाद ही लोक अभियोजन अधिकारी ने केस के दस्तावेजों के अवलोकन किया। इसमें पता चला कि पुलिस मामले का चालान भी कोर्ट में पेश कर चुकी है। जांच के दौरान अभियोजन अधिकारी ने पाया कि चालान में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज गायब कर दिए गए हैं। चालान में न पीड़िता का बयान दर्ज किया गया है और न ही गवाहों के बयान को शामिल किया गया है। सिर्फ घटना क्रम को ही लिखकर कोर्ट में पेश किया गया है।

रेत खनन का पट्टा सरेंडर, फिर भी बरबसपुर में धड़ल्ले से हो रहा उत्खनन और परिवहन

रायपुर (ए)। रायपुर जिले से लगे बरबसपुर गांव में धड़ल्ले से रेत का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। इसकी शिकायत करने के बाद भी खनिज विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। महासमुंद निवासी मनोज चंद्राकर ने नीलामी के जरिए तीन साल का गौण खनिज (रेत खदान) का ठेका ले रखा था, लेकिन 19 मई को उन्होंने आर्थिक परेशानियों के कारण यह ठेका विभाग को सरेंडर कर दिया था। आरोप है कि बरबसपुर पंचायत के सरपंच पति महेंद्र प्रताप सोनवानी और उनके सहयोगी दिन-रात रेत खनन धड़ल्ले करा रहे है।

मनोज ने संचालनालय भौमिकी एवं खनिकर्म सोनाखान भवन पुरैना, रायपुर के नाम लिखित शिकायत कर तत्काल बरबसपुर में हो रहे रेत खनन पर रोक लगाने के साथ ही सरपंच के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में विभाग के अधिकारियों से जानकारी लेने के लिए संपर्क किया गया, पर किसी से बात नहीं हो पाई।

आरोप और शिकायत झूठी- सोनवानी

अवैध तरीके से रेत खदान में खनन के आरोप पर ग्राम पंचायत बरबसपुर के सरपंच के पति महेंद्र प्रताप सोनवानी का कहना है कि मेरे खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे है। मनोज चंद्राकर ने खनन क्षेत्र से अधिक रेत की खुदाई की थी। इसकी शिकायत मैंने विभाग से की थी। इससे नाराज होकर उन्होंने उल्टे मेरे खिलाफ शिकायत की है।

शिकायत में दिखाई तत्परता तो 24 घंटे में मिल गए ऑनलाइन ठगी में गए रुपये

रायपुर (ए)। ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के बीच छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में राहत देने वाली खबर सामने आई है। ठगी के दो शिकार लोगों ने इसकी शिकायत 24 घंटे के भीतर ही कर दी तो रायपुर एंटी क्राइम और साइबर यूनिट की टीम ने भी त्वरित कार्रवाई की, जिससे उनके डूबे रुपये मिल गए।

आर्मी मैन बनकर डाक्टर से की थी ठगी

रायपुर निवासी रवेल सिंह मटरेजा पेशे से डाक्टर हैं। आरोपित ने खुद को इंडियन आर्मी का जवान बताकर फोन पर रवेल सिंह से बात की और 46 जवानों की जांच कराने की बात कही। इसके बाद उन्हें 15 हजार रुपये एडवांस में देने की बात कह उनके पेटीएम का क्यूआर कोड मांगा लिया, लेकिन बाद में पेमेंट नहीं होने का बहाना कर दिया। इसके बाद उसने अपने क्रेडिट कार्ड का नंबर उनके पेटीएम से जोड़ लिया। इस तरह रवेल सिंह के एक लाख रुपये पार कर दिए। साइबर टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपित के खातों को होल्ड करा दिया। इस तरह डाक्टर के 80 हजार रुपये वापस मिल गए।

बिल जनरेट के नाम पर निकाली रकम

राजधानी की रेनू ठाकुर की शिकायत के मुताबिक आरोपित ने कहा था कि बिजली का बिल जनरेट नहीं हो रहा है। इसके लिए मैसेज में दिए गए लिंक पर 10 रुपये का भुगतान करना होगा। इसके बाद महिला से एक एप डाउनलोड कराया गया। एप पर 10 रुपये का भुगतान करने को कहा। भुगतान करने पर उनके खाते से एक लाख 75 हजार रुपये पार कर दिए गए। साइबर टीम की सक्रियता से इनके भी सारे रुपये मिल गए।

वीआइपी रोड पर युवक-युवतियों के बीच चले लात-घूंसे, वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल

रायपुर (ए)। रायपुर के वीआईपी रोड इलाके का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें सड़क पर कुछ लड़के लड़कियां आपस में जबरदस्त मारपीट करते नजर आ रहे हैं। लड़कियां भी लड़कों पर हमला कर रही हैं। लड़के भी लड़कियों को पीट रहे हैं। वीडियो में एक दूसरे को गालियां देने और बोतलों के तोड़े जाने की आवाज भी आ रही है। 8 से 10 लड़के लड़कियों का ग्रुप एक दूसरे के ऊपर जानलेवा हमले करते नजर आ रहा है।

मामला शनिवार की देर रात का बताया जा रहा है। यह वीडियो होटल ग्रैंड इंपीरिया के ठीक बाहर का बताया जा रहा है। इसमें लड़के लड़कियों के दो गुट आपस में एक दूसरे को पीट रहे हैं। इस मारपीट में कुछ लड़के लड़कियों को चोटें भी आई हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पार्टी करके लौट रहे लड़के लड़कियों का यह ग्रुप आपस में झगड़ने लगा। कुछ लड़कों ने नशे की हालत में लड़कियों से बदसलूकी की। लड़कियों ने भी इसके बाद ताबड़तोड़ वार कर दिया। कुछ स्थानीय लोगों ने इस बात की जानकारी पुलिस पेट्रोलिंग टीम को भी दी। हालांकि पुलिस को देख हड़बड़ा कर सभी लड़के लड़कियां भाग निकले। किसी ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज नहीं करवाई।

आए दिन होते रहते हैं इस तरह के विवाद

रात के दो बजे तक वीआईपी रोड़ में अवैध पार्टीज चलती हैं। इनमें प्रशासन की कोई परमिशन नहीं होती। यह पहला मामला नहीं है जब वीआईपी रोड इलाके के किसी होटल के बाहर इस तरह से झगड़ा हुआ हो। इसके पहले भी कई बार और पब में घटनाएं हो चुकी हैं। लॉकडाउन के वक्त क्लिंस क्लब में गोली तक चली थी, शीलत इंटरनेशनल में पार्टी के बाद चाकू से हमला हुआ था। पब में तोड़फोड़ तक की गई है, मगर आज तक पुलिस ने देर रात तक पार्टियां कराने वाले होटल मालिकों पर कार्रवाई नहीं की।

अनजान लोगों पर केस दर्ज

जब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तो पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठने लगे। किरकिरी होती देख, देर रात पुलिस ने इस मामले में धारा 160 के तहत अज्ञात युवक-युवतियों के खिलाफकेस दर्ज किया है। रायपुर पुलिस का दावा है कि इस मामले में शिकायत करने कोई भी सामने नहीं आया। इसलिए स्वत: संज्ञान लेते हुए अनजान लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर इस मामले की छानबीन की जा रही है। अब पुलिस होटल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच करते हुए इस बवाल में शामिल लड़के लड़कियों का पता लगाएगी जो फिलहाल फरार हैं।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
रायपुर से कम दामों में
WholeSaler & Retailer
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

विश्व पर्यावरण दिवस का गरिमामय आयोजन, वृक्षारोपण के साथ जागरूकता झांकी को किया रवाना

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के पर्यावरण प्रबंधन विभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में भिलाई निवास में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद टेक्नीकल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ एम के वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सेल-बीएसपी के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता विशेष रूप से उपस्थित थे इसके अतिरिक्त समारोह में संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ एस के इस्सर, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएँ) श्री ए के भट्टा, कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन), श्री के के सिंह, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री एस एन आबिदी तथा मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (वित्त एवं लेखा) डॉ ए के पंडा सहित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे विदित हो कि साल 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से वैश्विक स्तर पर बढ़ रही पर्यावरण प्रदूषण की समस्या के चलते विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की नींव रखी गयी। इसकी शुरूआत स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई। यहां दुनिया का पहला पर्यावरण सम्मेलन आयोजित किया गया था। पर्यावरण दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति को हो रहे नुकसान को लेकर लोगों को जागरूक करना है।

गुब्बारा छोड़कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस : महापौर नीरज पाल, आयुक्त एवं एमआईसी मेंबर सहित अधिकारियों ने रोपित किए पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत शहरी गौठान कोसानगर में आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महापौर नीरज पाल, निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, महापौर परिषद की सदस्य तथा उद्यान एवं पर्यावरण विभाग की प्रभारी नेहा साहू, स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी लक्ष्मीपति राजू, महापौर परिषद के सदस्य एवं सामान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी संदीप निरंकारी, गरीबी उपशमन एवं सामाजिक कल्याण विभाग के प्रभारी चंद्रशेखर गवई, वाहन विभाग के प्रभारी लालचंद वर्मा एवं पार्षद रविशंकर कुर्रे ने गुलमोहर, महानीम, कदंब, बादाम, स्टोपीडिया एवं ताबुदियारोजा जैसे किस्मों के पौधे रोपित किए।

पौधे रोपित करने के साथ ही इसके सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस दौरान गुब्बारा छोड़कर पर्यावरण संरक्षण तथा अधिक से अधिक पौधे रोपित करने तथा इसे सुरक्षित रखने की अवधारणा के साथ इसका संदेश प्रसारित किया गया। महापौर नीरज पाल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर निगम के अधिकारियों से कहा कि बारिश आते ही रिक्त स्थानों पर पौधे रोपित कर इसे सुरक्षित रखने का प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि यह एक अच्छा मौका है जब आज हम बारिश से पूर्व वृक्षारोपण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार हो जाते हैं और वर्षा ऋतु आते ही वृक्षारोपण कर पाते हैं। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने कहा कि पौधे लगाने के साथ ही इसकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, इस ओर विशेष ध्यान देकर पौधे को जीवित रखने का प्रयास करें। पर्यावरण एवं उद्यान विभाग की प्रभारी नेहा साहू ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज के युग में जहां कोविड काल में ऑक्सीजन की जरूरत महसूस हुई थी, इसको देखते हुए भिलाई वासियों को पौधारोपण करने की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

पौधारोपण के कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता डीके वर्मा, सहायक अभियंता आर एस राजपूत, जनसंपर्क अधिकारी पीसी सार्वा, उप अभियंता गौरव अग्रवाल, सहायक अधिकारी परमेश्वर चंद्राकर, महिला स्व सहायता समूह से सुलोचना धनकर, पूनम साहू एवं रेखा बघेल आदि मौजूद रहे। पौधे को पानी देने के लिए ड्रिप इरिगेशन की पद्धति का उपयोग करते हुए देशी मटके को अपनाया, पौधों को जरूरत के हिसाब से मिलेगा पानी आज रोपित किए गए पौधों को ड्रिप इरिगेशन की देशी मटकी पद्धति के माध्यम से पानी दिया जाएगा।

यदि इस पद्धति को समझें तो यह काफी कारगर पद्धति है जिसे भिलाई निगम अपना रहा है। पौधे रोपित करने के बाद पौधे के बगल में मटका जिसमें छोटा सा छेद कर दिया जाता है उसे स्थापित किया गया है। पौधे में पानी डालने के बजाय मटके में पानी डाला जाता है, छोटे से छेद के माध्यम से पानी बूंद-बूंद करके पौधों की जड़ों को मिलता है। इस पद्धति से 75त्न पानी बचाया जा सकता है साथ ही पौधों को जरूरत के मुताबिक पानी मिलता है तथा गर्मी के दिनों में खासकर यह पद्धति पौधों को जीवित रखने के लिए काफी कारगर है। इस टेक्नोलॉजी में यदि पौधों को एक दिन पानी न भी दे तो भी पौधे जीवित रहते हैं। इस टेक्निक से पौधों की बढ़वार भी अच्छी होती है।

पर्यावरण दिवस पर अपने घर से पौधारोपण की शुरुवात

वन हमारी सांस्कृतिक सभ्यता का अभिनव अंग: वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर वरिष्ठ विधायक अरुण वोरा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण जनता की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। पर्यावरण हम सबकी साझा धरोहर है इसे प्राकृतिक रुप में सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। भारतीय संविधान में पर्यावरण की सुरक्षा तथा वन व वन्य जीवो से प्रेम को नागरिको से मौलिक श्रेणी में रखा गया है।

इसलिए प्रत्येक नागरिकों का यह दातिय्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण व प्रदूषण नियंत्रण में योगदान दे। स्वस्थ्य व संतुलित पर्यावरण से ही सच्चे रुप में स्वास्थ्य व सर्वागीण विकास का आधार है। इसलिए ना केवल वर्तमान बल्कि भावी पीढियो के लिए भी यह आवश्यक है कि पर्यावरण का विकास किया जाए। शुद्ध वायु को बचाने वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का कार्य अतिआवश्यक है। अन्यथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु मिलना दुष्कर हो जाएगा।

राज्य सरकार ने जंगलो को बचाए रखने का अभियान निरंतर जारी है। जिससे तहत् राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसानों को प्रोत्साहित करना, नदियों के किनारे जंगलो व गौठानों में बड़े स्तर पर पौधे लगाए जा रहे है, कृष्ण कुंज विकसित करने की पहल, धरती की उर्वरता और भूजल स्तर को बचाए रखने के लिए गौधन न्याय योजना के माध्यम से शहर की गौठानों में वर्मी कपोस्ट का कार्य भी जारी है।

परिवार के साथ किया देहदान की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्पेशल टास्क फ़ोर्स के डीएसपी श्री मारोती कुमार जगने की बेटी आराधना के जन्मदिन के अवसर पर आज आराधना जगने ने अपनी बहन लोविना जगने तथा माता पिता श्री मारोती कुमार जागने,शीला जागने के साथ अपने देहदान की घोषणा कर देहदान की वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के कुलवंत भाटिया, प्रभुदयाल उजाला, यतीन्द्र चावड़ा,उज्जवल पींचा व् रितेश जैन को सौंपी जगने परिवार ने यह घोषणा हरिनगर दुर्ग निवास में की।

श्री मारोती कुमार जगने ने कहा वह बहुत दिनों से देहदान की घोषणा करना चाहते थे पर उनके परिवार ने बेटी के जन्मदिन का दिन ही चुना ताकि आराधना का जन्मदिन यादगार रहे व यह निर्णय उनकी बेटियों का है उनके इस निर्णय पर पुरे परिवार को गर्व है आराधना ने कहा यह जन्मदिन उन्हें हमेशा याद रहेगा व देहदान हेतु प्रेरित करता रहेगा। नवदृष्टि फाउंडेशन के यतीन्द्र चावड़ा ने कहा यह हमारी संस्था के जागरूकता अभियान का परिणाम है की अब लोग अपने जन्मदिन में भी देहदान की घोषणा कर रहे हैं उज्जवल पींचा ने कहा अभी मेडिकल कॉलेज में रिसर्च हेतु केडेवर की बहुत आवयश्कता है अत: हमारी संस्था का प्रयास है की अधिक से अधिक लोगों को देहदान हेतु जागरूक करें ताकि भविष्य में मेडिकल कॉलेज के छात्रों को रिसर्च हेतु केडेवर मिल सके।

सात साल की बच्ची ने खेलते खेलते बच्ची ने निगला 5 का सिक्का

डॉक्टरों ने तत्काल मरीज का इलाज चालू कर सिक्के को निकाला बाहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। एस.आर. हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेन्टर चिखली दुर्ग के डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ की टीम की तत्परता से 7 साल की बच्ची की जान बचाई गई 7 रामपुर बेरला जिला बेमेतरा निवासी कृतिका यादव ने 5 रु. का सिक्का खेलते खेलते निगल लिया था।

कृतिका के पिता जितेन्द्र यादव ने बताया कि बच्ची ने जब सिक्का निगल लिया तो तत्काल गाँव के डॉक्टर के पास इलाज के लिए गए। गांव के डॉक्टर ने बताया कि एस.आर. हॉस्पीटल चिखली दुर्ग में तत्काल एवं बेहतर एवं कम दरो में इलाज होता है । कृतिका का X-Ray कराने पर पाया गया कि शरीर के भीतर 5 का सिक्का है । अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने तत्काल मरीज का इलाज चालू कर सिक्के को बाहर निकाला । कृतिका के माता पिता एवं परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ की भूरी भूरी प्रशंसा की एवं कहां की सही समय पर सही अस्पताल पहुंचने पर हमारी बच्ची की जान बच गई ।

अस्पताल के बाल व शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ एस. पी. केसरवानी ने बताया कि सही समय पर बेहतर सुविधाजनक अस्पताल पहुंचने पर कृतिका का ?5 का सिक्का शरीर से बाहर निकाल दिया गया । डॉ. एस.पी. केसरवानी ने समस्त बच्चों के परिजनों से विनम्रता पूर्वक अनुरोध किया है कि बच्चों को सतत निगरानी में रखें एवं बच्चों को समझाइश देवें की मुंह में किसी भी चीज को ना डालें । बच्चों को किसी भी प्रकार दिक्कत होने पर तत्काल डॉक्टर से सम्पर्क करे किसी भी प्रकार की लापरवाही ना करें लापरवाही करना छोटे बच्चों के लिए जान का खतरा भी बन सकता है।

अस्पताल के चेयरमैन संजय तिवारी ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों को बेहतर इलाज प्रदान करना है । यह भी बताया कि ऑपरेशन थिएटर में अत्याधुनिक जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध है । अस्पताल की टीम 24 घंटे सेवाएं प्रदान करने के लिए तत्पर रहती है । कृतिका का इलाज करने में डॉ. एस. पी. केसरवानी डॉ. पवन देशमुख डॉ. अंकिता डॉ सुशांत कान्डे ,डॉ. अश्वनी शुक्ला, डॉ. रजत डेहरिया, डॉ.सौम्या तिवारी, नर्सिंग स्टाफ हरी साहू प्रतिमा केरकट्टा, किशोर, श्रीमती विद्या गायकवाड, वंशिका, पायल खरे व अन्य देवदूतो ने अपनी सेवाएं प्रदान की ।

शैलदेवी महाविद्यालय अंडा दुर्ग में विश्व पर्यावरण दिवस पर किया वनस्पति उद्यान का निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शैलदेवी महाविद्यालय अंडा दुर्ग में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में जितेश मिश्रा (सहा. प्राध्या. वाणिज्य), डॉ. यमन कुमार साहू (सहा. प्राध्या. रसायन शास्त्र) व श्रीमती मनीषा वर्मा (सहा. प्राध्या. शिक्षा) ने मिलकर प्रकृति से जुड़े रहने व महाविद्यालय परिसर में औषधीय पौधों के संग्रहण के उद्देश्य से वनस्पतिक उद्यान का नवनिर्माण किया, जिसका उद्घाटन राजन दुबे, अध्यक्ष, शैलदेवी महाविद्यालय अंडा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर शैलदेवी महाविद्यालय अंडा के सभी प्राध्यापक व छात्र छात्राएं उपस्थित थे। अपने महाविद्यालय में नवनिर्मित वनस्पतिक उद्यान को देखकर छात्र-छात्राएं बेहद खुश हुए एवं नवनिर्मित वनस्पतिक उद्यान की देखरेख करने की जिम्मेदारी ली तथा भविष्य में वनस्पतिक उद्यान हेतु और भी अनेक प्रजाति के पौधों के संग्रहण व संरक्षण करने की इच्छा जाहिर की। राजन दुबे ने प्राध्यापकों द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्य की प्रशंसा की एवं भविष्य में इसी प्रकार के और भी शिक्षाप्रद व प्रकृति अनुकूल कार्यों को करने को प्रेरित किया।

छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ की सामान्य सभा की बैठक एवं कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न

सासंद विजय बघेल अध्यक्ष व अरविन्दर सिंग खुराना कार्यकारी अध्यक्ष, डॉ. राजेश जंघेल सचिव बने

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश भारत्तोलन संघ की वार्षिक सामान्य सभा की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ के पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। उपरोक्त चुनाव को सफ्लतापूर्वक संपन्न कराने हेतु भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के पर्यवेक्षक चित्त रंजन स्वैन, सहसचिव, भारतीय भारोत्तोलन महासंघ, छत्तीसगढ़ ओलम्पिक एसोसियेशन के पर्यवेक्षक एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश फेंसिंग एसोसियेशन के महासचिव बशीर अहमद खान तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के पर्यवेक्षक हरगुलशन सिंह, वरिष्ठ प्रशिक्षक वॉलीबाल, जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग, दुर्ग उपस्थित थे।

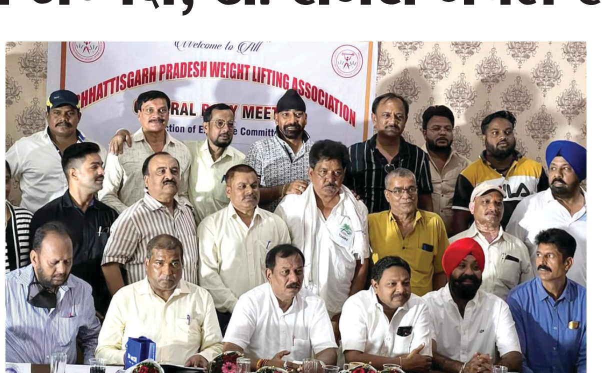

चुनाव को संचालन कराने हेतु चुनाव अधिकारी के रुप में सुभाष सतपती, अधिवक्ता, जिला न्यायालय, दुर्ग उपस्थित थे। उपरोक्त बैठक में विभिन्न जिलों से आये पदाधिकारियों ने उपस्थिति पंजी पर अपना हस्ताक्षर कर उपस्थिति दर्ज करायी। बैठक में मुख्य रुप में विजय बघेल, सांसद, दुर्ग जिला एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ, सुकलाल जंघेल, आजीवन सदस्य, डी. डी. चंदेल, आजीवन सदस्य अरविन्दर सिंह खुराना, घनश्यान जंघेल, अजय श्रीवास्तव, डॉ. राजेश जंघेल, नंदू जंघेल, अरूण द्विवेदी, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ, सहीराम जाखड़, सचिव, छत्तीसगढ़ तैराकी एसोसियेशन सहित विभिन्न जिला / संस्थान / नगर पालिका निगम भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष / सचिव एवं आजीवन सदस्य उपस्थित थे।सभा में निम्नांकित कार्यसूची को सर्वसम्मति से पारित किया विगत वर्ष की वार्षिक सामान्य सभा की बैठक भिलाई में 06 जून 2021 एवं कार्यकारिणी की बैठक भिलाई में 15.05.2022 की बैठक कार्यवाही प्रतिवेदन का अनुमोदन संस्था का वर्ष 2021-22 का सचिव के वार्षिक प्रतिवेदन का अनुमोदन । छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ का वर्ष 2021-22 का आय - व्यय प्रतिवेदन (ऑडिट) का अनुमोदन। संस्था का वर्ष 2022-23 का अनुमानित बजट प्रतिवेदन का अनुमोदन संस्था का वर्ष 2022-23 के ऑडिट हेतु मणीकांत अग्रवाल, प्रोप्राइटर मेसर्स एम. कांत एंड कंपनी, एम. जी. रोड, रायपुर का ऑडिटर के रुप में नियुक्ति का अनुमोदन । छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ के कार्यकारिणी का चुनाव वर्ष 2022-26छत्तीसगढ़ प्रदेश भारोत्तोलन संघ की कार्यकारिणी के चुनाव सुचारु रुप से संपन्न कराने हेतु चुनाव अधिकारी सुभाष सतपती ने सभा को जानकारी दी कि प्रत्येक पद के विरुद्ध 1-1 नामांकन प्राप्त हुआ है, अन्य नामांकन प्राप्त न होने के कारण चुनाव अधिकारी सुभाष सतपती ने सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किजिनके नाम निम्नानुसार है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950